Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 178 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, गुरूवार 04 सितंबर 2025 | www.samaydarshan.in

5-5 लाख मुआवजे की घोषणा

बोलेरो ने श्रद्धालुओं को रौंदा, 3 की मौत:जशपुर में गणेश विसर्जन करने जा रहे थे, 20 से ज्यादा घायल

जशपुर/सरगुजा(समय दर्शन)। जशपुर जिले के जुरूडांड में गणेश विसर्जन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं को तेज रफ्तार बोलेरो ने रौंद दिया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और करीब 20 से ज्यादा घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। गंभीर रूप से घायल 18 ग्रामीणों को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में एडमिट किया गया है।

यह मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम जुरूडांड के श्रद्धालु मंगलवार रात गणेश विसर्जन के लिए बाजे-गाजे के साथ निकले थे। विसर्जन में करीब 150 श्रद्धालुओं की भीड़ थी। इस दौरान रात करीब 11 बजे रायकेरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो भीड़ में घुस गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि मृतकों को 50-50 लाख और गंभीर घायलों को 5-5 लाख मुआवजा देना चाहिए।

20 घायलों को दूसरे वाहनों की मदद से बगीचा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही जशपुर विधायक रायमुनी भगत, कलेक्टर रोहित व्यास और एसएसपी शशि मोहन बगीचा पहुंचे और घायलों से मुलाकात की। साथ ही डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

वहीं, प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायल 18 ग्रामीणों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद भीड़ ने बोलेरो ड्राइवर सुख सागर यादव को पकड़कर जमकर पीटा। वो नशे में था। मारपीट में घायल ड्राइवर को भी इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। साल 2021 में जिले के पत्थलगांव में ऐसी ही एक दुर्घटना हुई थी। 15 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शोभा यात्रा में गांजा से भरे एक चार पहिया वाहन बेकाबू होकर भीड़ में घुस गई थी। इस घटना में एक श्रद्धालु की मौत हो गई थी और 12 लोग घायल हो गए थे।

बलरामपुर में बांध फूटा, 4 घर बहे, 4 की मौत, 60 बकरियां भी बह गई

बलरामपुर (समय दर्शन)। बलरामपुर जिले में लुत्तीसढ़सा स्थित पुराना बांध टूटने से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। एक बच्चे और महिला की डेड बॉडी आज सुबह मिली है। वहीं दो के शव कल रात ही मिल गए थे। लापता तीन लोगों की तलाश की जा रही है। घटना रामानुजगंज थाना क्षेत्र की है। बता दें कि, बांध टूटने से निचले इलाके के 4 घर बाढ़ की चपेट में आकर बह गए। हादसे में इन घरों के 7 लोग चपेट में आ गए। घटना की सूचना पर देर रात से रेस्क्यू टीम के साथ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। बलरामपुर जिले में दो दिनों से हो रही बारिश से बांध लबालब हो गया था। यह मिट्टी का बांध है, जो साल 1981 में बनाया गया था। ओवर फ्लो होने के कारण मंगलवार रात करीब 11 बजे से 11.30 बजे के बीच मेड़ टूट गई और बांध बह गया। बांध टूटने से बहे गणेश खैरबार के बड़े बेटे कार्तिक खैरबार (6 वर्ष) का शव बुधवार सुबह मिल गया है। वह कक्षा पहली का छात्र था। गणेश खैरबार के छोटे बेटे (4 वर्ष) का पता नहीं चला है। वह आंगनबाड़ी में पढ़ता था। बाढ़ में बही एक अन्य महिला चिंता (30) का शव भी मिल गया है। बाढ़ में बहे संजीवन की बेटी प्रिया (6 वर्ष), सहित दो बच्चे और गणेश खैरबार की तलाश की जा रही है। बाढ़ में जीतन राम की करीब 60 बकरियां भी बह गई। ग्रामीणों ने बताया कि रात को जब बांध टूटा तो सबसे पहले पानी का सैलाब कालीचरण टोप्पो के घर पहुंचा। जिससे परिवार के 11 अन्य सदस्य पानी में बहने लगे। कालीचरण टोप्पो ने बांस को पकड़ लिया, जिससे उसकी जान बच गई। कालीचरण की पत्नी फुलमनी टोप्पो दीवार के नीचे दब गई थी, जिसे बाद में निकाला गया। दोनों घायल हो गए हैं। कालीचरण के परिवार के अन्य सदस्यों ने तैरकर जान बचाई। इसके बाद पानी का सैलाब रामवृक्ष खैरबार के घर पहुंचा, जिसमें उसका पूरा घर और परिवार के सभी सदस्य बह गए। रामवृक्ष झाड़ी पकड़कर बाहर निकल गया। उसकी पत्नी, बेटा दो बहुएं और बच्चे पानी में बह गए।

सीएम साय ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के दिये निर्देश...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलरामपुर जिले के ग्राम धनेशपुर स्थित लुत्ती (सतबहिनी) डैम टूटने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। इस हादसे में 4 लोगों की मृत्यु, 3 लोगों के घायल होने तथा 3 लोगों के लापता होने की सूचना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत दुखद और पीड़ादायी घटना है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूँ।

जोधपुर में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की आरएसएस प्रमुख से मुलाकात से सियासी हलचल तेज

फाइल फोटो

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने बुधवार को जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से मुलाकात की। यह मुलाकात लाल सागर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में हुई, जहां भागवत अखिल भारतीय समन्वय बैठक के लिए प्रवास पर हैं। दोनों के बीच लगभग 20 मिनट तक बातचीत हुई। इस मुलाकात को राजनीतिक विश्लेषक राजस्थान में बीजेपी संगठन और सत्ता के लिए महत्वपूर्ण बता रहे हैं। मोहन भागवत का जोधपुर प्रवास और अखिल भारतीय समन्वय बैठक का आयोजन, ऋस्स की आगामी चुनावी रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों को दर्शाता है। इसी दौरान वसुंधरा राजे का उनसे मिलना कई सवालों को जन्म देता है। राजस्थान में क्ष्क्षक की राजनीति में पिछले कुछ समय से वसुंधरा राजे की भूमिका को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। यह मुलाकात इन अटकलों को शांत करने और पार्टी के भीतर उनके कद को पुन- स्थापित करने के संकेत के रूप में देखी जा सकती है। ऋस्स को भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक और मार्गदर्शक संस्था के रूप में देखा जाता है। BJP के महत्वपूर्ण फैसलों, खासकर नेतृत्व के चयन और चुनावी रणनीति में, ऋस्स की राय का गहरा प्रभाव होता है। वसुंधरा राजे और मोहन भागवत की यह बैठक संभवतः राज्य में पार्टी के भीतर समन्वय से जुड़ी हो सकती है। यह माना जा रहा है कि RSS राज्य में पार्टी के अंदर की गुटबाजी को समाप्त कर एक मजबूत और एकजुट चेहरा पेश करना चाहता है।

इस मुलाकात के बाद, वसुंधरा राजे के समर्थकों में उत्साह देखा जा सकता है। यह बैठक इस बात का भी संकेत हो सकती है कि क्ष्क्षक आलाकमान और ऋस्स, वसुंधरा राजे की लोकप्रियता और अनुभव को नजरअंदाज नहीं करना चाहते। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इस मुलाकात का एजेंडा सामने नहीं आया है, लेकिन सियासी हलचल तेज हो गई है।

मराठा आरक्षण आंदोलन के बाद मुंबई पुलिस का एक्शन

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कई थानों में एफआईआर दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में हुए प्रदर्शन के दौरान अवैध रूप से इकट्ठा होने और अशांति फैलाने के आरोप में मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने कई मामले दर्ज किए हैं। मुंबई पुलिस के मुताबिक, मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन समेत अलग-अलग थानों में मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुंबई पुलिस ने बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। अवैध रूप से इकट्ठा होने और हिंसा फैलाने के आरोप में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में तीन एफआईआर, एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में दो एफआईआर और जेजे पुलिस स्टेशन, कोलाबा पुलिस स्टेशन और आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में भी मामले दर्ज किए गए हैं। बता दें कि मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने मंगलवार को अपनी ज्यादातर मांगें मान लिए जाने के बाद आमरण अनशन समाप्त कर दिया था। इसके बाद हजारों मराठा कार्यकर्ता मुंबई से अपने गांवों को लौट गए, जिसके चलते अब शहर में स्थिति सामान्य हो रही है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए टिप्पणी की थी। चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने सुनवाई के दौरान आंदोलन से उत्पन्न स्थिति पर नाराजगी जताई थी। चीफ जस्टिस ने कहा था, सड़कों पर जज के चलने की भी जगह नहीं है। हालात सामान्य करें, वरना सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि सड़कों से गाड़ियां हटाई जाएं और भीड़ नियंत्रित की जाए। बता दें कि मनोज जरांगे मराठा समाज आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में धरना प्रदर्शन कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन के बीच मुंबई में जगह-जगह जाम की स्थिति देखी गई। इस स्थिति में मुंबई पुलिस ने मनोज जरांगे के प्रदर्शन को अनुमति देने से इनकार करते हुए आजाद मैदान खाली करने का नोटिस भेजा था।

राज्य आपदा प्रभावित घोषित; 1200 से अधिक गांवों में भरा पानी

पंजाब में स्कूल-कॉलेज 7 सितंबर तक रहेंगे बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पंजाब सरकार ने पूरे राज्य को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया है। मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने के निर्देश दिए हैं। राज्य में सभी स्कूल और कॉलेज 7 सितंबर तक बंद रहेंगे। पहले ये अवकाश 3 सितंबर तक घोषित किया गया था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के 23 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं और 1200 से अधिक गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। घग्गर नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सोमवार को सामान्य बहाव के बाद बुधवार सुबह 9 बजे तक नदी का स्तर 7 फीट तक पहुंच गया, जो कि खतरे के निशान से मात्र 1 फीट नीचे है।

मोहाली जिला प्रशासन ने घग्गर नदी और सुखना झील के किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने चेतावनी दी है कि नंगल क्षेत्र में लगातार वर्षा के कारण खड्डों और सतलुज के किनारे बने बांधों की स्थिति कमजोर हो चुकी है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

इसी बीच, जालंधर के बस्ती शेख क्षेत्र में आज सुबह एक कच्चा मकान गिर गया। हादसे के समय घर का मालिक दूध लेने बाहर गया हुआ था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राज्य सरकार और प्रशासन ने राहत व बचाव कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी रखी जा रही है

यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा

नोएडा। यमुना नदी में जलस्तर लगातार बढ़ने की आशंका के बीच गौतमबुद्ध नगर प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने सेक्टर-150 स्थित इलाकों का दौरा किया और वहां मौजूद प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सभी नागरिकों और पालतू पशुओं को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को प्रशासन के शरणालयों में व्यवस्थित रूप से शिफ्ट किया जाए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए तत्काल राहत पैकेज की मांग की

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड की स्थिति भी गंभीर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बाढ़ प्रभावित राज्य पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए केंद्र सरकार से विशेष राहत पैकेज देने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में सोशल मीडिया पोस्ट किया और साथ में एक वीडियो भी शेयर किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि इन राज्यों में राहत और बचाव कार्यों को तेज किया जाए, ताकि प्रभावित लोगों को सहायता मिल सके।

उन्होंने कहा कि पंजाब में बाढ़ ने भारी नुकसान पहुंचाया है और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड की स्थिति भी गंभीर है।

उन्होंने बताया कि हजारों परिवार अपने घर, संपत्ति और अपनों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह लोगों की रक्षा करे। उन्होंने केंद्र से इन राज्यों, खासकर किसानों के लिए तत्काल राहत पैकेज की घोषणा करने का आग्रह किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है। ऐसे मुश्किल समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद अत्यंत आवश्यक है। हजारों परिवार अपने घर, जीवन और अपनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों के लिए, खासतौर पर किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों को तेज किया जाए।

देश के कई राज्य मौजूदा समय में बाढ़ से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। पंजाब में भारी बारिश और नदियों के उफान ने कई इलाकों में तबाही मचाई है। खेतों में धान और सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। कई गांव पानी में डूब गए हैं, जिससे लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं। सड़कें और बुनियादी ढांचा भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन ने स्थिति को और खराब कर दिया है। कई क्षेत्रों में सड़क संपर्क टूट गया है और नदियों के किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है।

महिलाएँ हर क्षेत्र में कर रही हैं प्रदेश का नाम रोशन : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

लोकपरंपराएं एवं संस्कृति समाज को जोड़ने का बेहतर माध्यम : मुख्यमंत्री साय

तीजा महिलाओं का मायके से जुड़ी यादों को तरोताज़ा करने का पर्व : राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर(समय दर्शन)। सावन-भादो में छत्तीसगढ़ की धरती पर पारंपरिक उत्सवों का विशेष महत्व रहता है। इसी क्रम में आज राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के निवास में तीजा मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा, गीत-संगीत और लोकनृत्य की अनूठी छटा देखने को मिली। महिलाएँ पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर लोकगीतों की मधुर धुनों से वातावरण को उल्लासमय बना रही थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तीजा मिलन को समाज की एकता और संस्कृति की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आस्था और विश्वास का पर्व है। महिलाएँ इस दिन पति की लंबी आयु और परिवार की समृद्धि के लिए व्रत करती हैं। हमारी लोकपरंपराएँ समाज को जोड़ती हैं और यही हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कजली एकादशी जैसे पर्व केवल धार्मिक महत्व नहीं रखते, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता का संदेश भी देते हैं। उन्होंने राज्य के विकास की दिशा में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की भावना को मार्गदर्शक बताया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान लोक संस्कृति एवं त्योहारों से होती है। यहाँ की महिलाएँ न केवल परिवार और समाज को संवार रही हैं, बल्कि शिक्षा, राजनीति, सेवा और हर क्षेत्र में योगदान देकर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को संस्कृति की संरक्षक बताते हुए उनके योगदान की सराहना की।

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आज तीजा मिलन समारोह में प्रदेश की संस्कृति और परंपरा के रंगों का संगम देखने को मिला। पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएँ मायके में उपवास करती हैं। तीजा महिलाओं को मायके से जुड़ी यादों को तरोताज़ा करने का पर्व है। तीजा मिलन कार्यक्रम में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन परोसे गए। लोकनृत्य और गीतों ने पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। महिलाएँ एक-दूसरे को तीजा की बधाइयाँ देती रहीं। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएँ आज भी समाज के ताने-बाने को मजबूती प्रदान कर रही हैं। तीजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, रिवर्स ट्रैप के तहत 22 लाख की रिश्वत देते दो को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में एक अभूतपूर्व और प्रेरणादायक घटना सामने आई है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 22 लाख रुपए की रिश्वत देते वक्त दो व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। इस मामले में सबसे खास बात यह रही कि रिश्वत देने वालों को पकड़ा गया, यानी यह एक रिवर्स ट्रैप ऑपरेशन था।

इस पूरे प्रकरण में जीएसटी इंटेलिजेंस निदेशालय के अधीक्षक ने सबसे सराहनीय भूमिका निभाई, जिन्होंने रिश्वत का प्रस्ताव मिलते ही उसे स्वीकार करने के बजाय सीबीआई को इसकी सूचना दी।

सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए दो व्यक्तियों की पहचान राम सेवक सिंह और सचिन कुमार गुप्ता के रूप में हुई है।

ये दोनों आरोपी उस समय सीबीआई के जाल में फंसे, जब वे एक ऑनलाइन कंपनी के टैक्स चोरी के मामले में राहत दिलाने के लिए संबंधित जीएसटी अधीक्षक को 22 लाख रुपए की रिश्वत की पेशकश कर रहे थे।

जीएसटी अधीक्षक कुछ ऑनलाइन फर्मों की टैक्स चोरी की जांच कर रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने उनसे संपर्क कर मामले को रफा-दफा करने के लिए मोटी रकम देने का प्रस्ताव रखा।

हालांकि, वे भ्रष्टाचार के आगे नहीं झुके। उन्होंने तुरंत सीबीआई को औपचारिक शिकायत दी और इसके बाद सीबीआई ने एक सुनियोजित रिवर्स ट्रैप ऑपरेशन चलाया, जिसमें दोनों आरोपी रंगे हाथों पकड़ लिए गए।

गिरफ्तारी के बाद, सीबीआई ने आरोपियों से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। इन तलाशियों से रिश्वतखोरी से जुड़े सबूत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीबीआई ने प्रेस रिलीज में कहा कि यह ऑपरेशन दिखाता है कि कैसे एक ईमानदार सार्वजनिक अधिकारी की तत्परता और निष्ठा भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने में अहम भूमिका निभा सकती है। ऐसे अफसर आज की व्यवस्था के लिए प्रेरणा हैं। सीबीआई ने देशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी बिना डर के साझा करें। एजेंसी हर सच्चे नागरिक के साथ खड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में भाजपा पार्षदों ने कैबिनेट मंत्री से मुलाकात कर बधाई दी

पाटन। पाटन नगर पंचायत के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में भाजपा पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ शासन के केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव जी से उनके दुर्ग स्थित निवास पर सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर नगर के विभिन्न विकास कार्यों पर सकारात्मक चर्चा हुई। मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आश्वस्त किया कि पाटन नगर के विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले ने जानकारी दी कि आगामी 7 सितम्बर को पाटन में आयोजित राज्य स्तरीय भारोत्तोलन एवं फेंसिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह में मंत्री श्री गजेन्द्र यादव जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह अवसर पाटन नगर के लिए गौरवपूर्ण रहेगा। कैबिनेट मंत्री बनने के पश्चात उनके प्रथम पाटन आगमन पर संयुक्त पाटन मण्डल भाजपा विधानसभा की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष निशा योगेश सोनी,लोक निर्माण प्रभारी व पार्षद केवल देवांगन,स्वास्थ्य विभाग प्रभारी व पार्षद नेहा बाबा वर्मा,राजस्व विभाग प्रभारी व पार्षद देवेन्द्र ठाकुर,सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी व पार्षद जितेन्द्र निर्मलकर,पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन,पार्षद अन्नपूर्णा पटेल,पार्षद संगीता धुरंधर मौजूद थे।

जनबादी पार्टी का प्रदेशाध्यक्ष डॉ कुश पटेल बने

बिर्रा/समय दर्शन /--- जनबादी पार्टी का प्रदेशाध्यक्ष डॉ कुश पटेल का मनोनयन होने से क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है।जनबादी पार्टी का विस्तार छत्तीसगढ़ में अपने जनाधार और पार्टी को मजबूत करने के लिए विस्तार किया जा रहा है ताकि आने वाले चुनाव में छत्तीसगढ़ में जनबादी पार्टी मजबूत बनकर उभरेगी इसके लिए जांजगीर चांपा के ग्राम पंचायत बिर्रा के ऊर्जावान सक्रिय युवा नेता डां कुश पटेल को छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है जैसे ही इनके जनबादी पार्टी में छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष बनाएं जाने की खबर मिलते ही इनके चाहने वाले और समर्थको में उत्साह और संचार देखने को मिला। इसके जाने से कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है वहीं प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनबादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डां कुश पटेल ने कहा कि पार्टी के नीति सिध्दांत को लेकर राष्ट्रीय एकता अखंडता और संप्रभुता को लेकर जनहित मुद्दे को लेकर आंदोलन किया जाएगा वहीं हरस्तर पर पार्टी के लिए समर्पित सेवा निष्ठा से काम करने की बात कही तथा इनके समर्थकों व ग्रामीण में जमकर आतिशबाजी और मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किया।

डभराखुर्द में अखंड रामायण पाठ का आयोजन

बिर्रा/ समय दर्शन /-दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर की पावन धरा डभराखुर्द में शत्रुघन पटेल निवास में 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ आचार्य पं जितेन्द्र तिवारी बिर्रा द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया। अखंड रामायण पाठ में मुख्य यजमान टीकाराम पटेल, शत्रुघन पटेल,रघुनाथ दास वैष्णव,मनहरण पटेल, रमेश कुमार पटेल रामकृपाल पटेल, रोहित पटेल,रवि पटेल, लखनलाल चंद्रा, शिवनाथ पटेल, रामानुज,डीपू पटेल,रूपनारायण टीभू चंद्रा, सुदामा प्रसाद चंद्रा, मोतीराम पटेल, सुरेश कुमार, साखीराम पटेल सहित बिर्रा, बसंतपुर,किकिरदा,डभराखुर्द के मानस प्रेमी श्रद्धालु शामिल हुए।अखंड रामायण पाठ का समापन आज़ गुरूवार को यज्ञ हवन पूर्णाहुति के साथ होगा।

अभाविप ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर फास्टरपुर महाविद्यालय में की तालाबंदी

मुंगेली(समय दर्शन) अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) मुंगेली के कार्यकर्ताओं ने नवीन शासकीय महाविद्यालय फास्टरपुर की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को तालाबंदी की। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने 12 सूत्रीय मांग पत्र कॉलेज प्रशासन को सौंपते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की।शुल्क वृद्धि पर जताई आपत्ति विद्यार्थियों ने बताया कि प्रवेश पत्रिका शुल्क को 100 से बढ़ाकर 150 रुपये कर दिया गया है, जबकि इसके संबंध में शासन की ओर से कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। परिषद कार्यकर्ताओं ने इसे मनमानी बताते हुए शुल्क वृद्धि वापस लेने की मांग की।

छात्रों की 12 सूत्रीय मांगें

(1) प्रवेश पत्रिका शुल्क वृद्धि तत्काल वापस लिया जाए।

(2) महाविद्यालय में विषयवार पर्याप्त संख्या में शिक्षक नियुक्त किए जाएँ।(3) पुस्तकालय में आवश्यक पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएँ।(4)

कॉलेज परिसर में सुरक्षित व व्यवस्थित बाइक स्टैंड बनाया जाए।(5) महाविद्यालय में शुद्ध पेयजल की उचित व्यवस्था की जाए।(6)कक्षाओं और पुस्तकालय में पर्याप्त टेबल-कुर्सियाँ लगाई जाएँ (7)कॉलेज में स्वच्छता और साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था की जाए (8)छात्रों के लिए पर्याप्त शौचालयों का निर्माण एवं रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए (9) छात्राओं की सुरक्षा हेतु परिसर में महिला प्रकोष्ठ और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएँ।(10)खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ।

(11)परीक्षाओं की समय-सारणी समय पर जारी कराई जाए।

(12)कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के लिए अध्ययन कक्ष और विश्राम कक्ष बनाए जाएँ।

अभाविप कार्यकर्ताओं का कहना- अभाविप नगर मंत्री दिलेश साहू ने कहा, कॉलेज प्रशासन विद्यार्थियों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह उदासीन है। न तो शिक्षकों की पर्याप्त संख्या है और न ही छात्रों को मूलभूत सुविधाएँ मिल रही हैं। जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता, परिषद संघर्ष जारी रखेगी।

प्रशासन का आश्वासन- तालाबंदी की जानकारी मिलते ही मुंगेली तहसीलदार मौके पर पहुंचे और छात्र-छात्राओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा, विद्यार्थियों की मांगें वाजिब हैं। इन बिंदुओं पर उच्च अधिकारियों से चर्चा कर जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा।

तीजा पर्व पर महिलाओं का सम्मान

नगर पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा की पहल, श्रृंगार सामग्री और उपहार भेंट

मुंगेली(समय दर्शन) नगर पालिका मुंगेली में तीजा पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजन किया गया।

मातृशक्ति को समर्पित कार्यक्रम- कार्यक्रम में नगर की मातृशक्ति एवं बहनों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया। महिलाओं को श्रृंगार सामग्री एवं उपयोगी उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मिश्रा ने तीजा पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए कहा तीजा पर्व मातृशक्ति के त्याग, समर्पण और आस्था का प्रतीक है। यह पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि परिवार और समाज को जोड़ने का माध्यम भी है।

महिलाओं का सम्मान, समाज की जिम्मेदारी- नगर पालिका उपाध्यक्ष ने महिलाओं को समाज की आधारशिला बताते हुए कहा कि उनका

सम्मान करना हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका मुंगेली सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाती रही है और भविष्य में भी नगर के विकास के साथ परंपराओं को संजोने का कार्य जारी रहेगा।

नगर में छाया उल्लास का माहौल- इस कार्यक्रम में पार्षद जीतेन्द्र डावड़ा, रोशन सोनी, विजय बंजारा, असलम खान, लेखु साहू, टीशन बांधने सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।महिलाओं ने उपहार पाकर खुशी व्यक्त की और नगर पालिका उपाध्यक्ष की इस पहल की सराहना की। उनका कहना था कि इस तरह के आयोजन उन्हें सामाजिक मंच पर सम्मान और प्रेरणा प्रदान करते हैं।तीजा पर्व के इस सामूहिक उत्सव ने पूरे नगर में उल्लास का वातावरण बना दिया और परंपरा व संस्कृति संरक्षण का सुंदर संदेश दिया।

सिलादेही के भूपेंद्र साहू को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

बिर्रा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा श्री विजय कुमार पांडेय (आईपीएस) द्वारा 1 सितंबर दिन सोमवार को बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलादेही के दादू ढाबा के मालिक भूपेंद्र साहू के द्वारा एक लाख रुपए से भरा बैग को उनके मालिक को सकुशल लौटाने पर पुलिस अधीक्षक के द्वारा यह सम्मान जांजगीर कार्यालय में दिया गया है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले भूपेंद्र साहू को प्रशस्ति पत्र देकर उनके इस नेक कार्य की सराहना की गई है।

ज्ञात हो कि बीते 22 अगस्त 2025 दिन शुक्रवार को पुलिस थाना बिर्रा के अंतर्गत ग्राम सिलादेही के दादू ढाबा में ध्रुव कुमार अग्रवाल पिता सुभाष अग्रवाल निवासी जैजैपुर द्वारा एक बैग में रखे 100000 रुपए को दादू ढाबा सिलादेही में भोजन के पश्चात जल्दबाजी के चक्कर में भूल गया था। जिसको दादू ढाबा सिलादेही के मालिक भूपेंद्र साहू के द्वारा थाना बिर्रा लेकर जाने पर ध्रुव कुमार अग्रवाल पिता सुभाष अग्रवाल निवासी जैजैपुर को सकुशल एक लाख रुपए को

लौटाया गया। दादू ढाबा सिलादेही के संचालक ने इंसानियत का परिचय देते हुए बिर्रा थाना क्षेत्र व अपने गांव दिलादेही का मान बढ़ाया है। दादू ढाबा सिलादेही के संचालक भूपेंद्र साहू ने बिना किसी लाभ या मोह किए बिना ही उन्होंने थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जय कुमार साहू को सबसे पहले मोबाइल फोन के माध्यम से अवगत कराया। उसके बाद थाना में जाकर एक लाख रूपये को जमा कर दिया। इसके साथ ही थाना में रुपए जमा करने के बाद उक्त रुपए को पैसा मालिक ध्रुव कुमार अग्रवाल पिता सुभाष अग्रवाल निवासी जैजैपुर को सकुशल लौटाया गया। उनके इस नेक कार्य से प्रभावित होकर जांजगीर चांपा जिला के पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विजय कुमार पांडेय के द्वारा उनको यह सम्मान पुलिस अधीक्षक कार्यालय जांजगीर में 1 सितंबर दिन सोमवार को दिया गया है। दादू ढाबा सिलादेही के मालिक भूपेंद्र साहू को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा की आम नागरिकों को सम्मान देने पर पुलिस और जनता के बीच में विश्वास बढ़ता है। जिसके फलस्वरुप आज दादू ढाबा सिलादेही के संचालक भूपेंद्र साहू को उनके नेक कार्य के चलते आज यह सम्मान दिया गया है। भूपेंद्र साहू के इस पुनीत कार्य से प्रभावित होकर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने उनका खूब प्रशंसा किए हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के अलावा पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी एवं नागरिक गण उपस्थित थे।

किकिरदा में लाखों की लागत से बने अटल व्यावसायिक परिसर का उपयोग नहीं,और मरम्मत के नाम पर फिर फूंक दिये लाखों

बिर्रा /समय दर्शन ,/जैजैपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत किकिरदा में लाखों रुपए की लागत से बने अटल व्यवसायिक परिसर का उपयोग नहीं हो पा रहा है। शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने पंचायतों में कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया गया है,लेकिन दुकान पड़े -पड़े कबाड़ हो गया,वहीं व्यावसायिक परिसर का उपयोग नहीं होने के बाद भी सरपंच-सचिव ने मिलकर व्यावसायिक भवन का मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये का भ्रष्टाचार किया है,जिसकी जांच कि मांग ग्रामीणों ने कि हैं।

गौरतलब हो कि ग्राम पंचायत किकिरदा में लाखों के लागत से अटल व्यवसायिक परिसर बनाया गया था, लेकिन इन परिसरों का उपयोग सालों बाद भी नहीं हो पा रहा है।परिसर बनाया गया है, ताकि गांव के शिक्षित युवा बेरोजगार मोबाइल कंप्यूटर किराना दुकान पान दुकान एवं अन्य संस्थानों का संचालन कर सके, लेकिन दुकानों में ताला लटका हैं। व्यवसायिक परिसर भवन का उपयोग भी नहीं किया जा रहा है,वही अब इसके मरम्मत के नाम पर सरपंच-सचिव पर 1.24 लाख रुपये का गबन का आरोप लग रहा है।

मरम्मत हुआ नहीं निकाल लिये 1.24लाख रुपये- वही व्यावसायिक भवन के परिसर,भवन का मरम्मत हुआ ही नहीं और सरपंच गोमती मांझी,सचिव कीर्तन लाल चन्द्रा ने 1.24 लाख रुपये निकाल लिया जिसकी जांच कि मांग अब उठने लगी है।

मामला संज्ञान में आया है,जांच कराई जायेगी

वर्षा रानी चिकनजूरी
सीईओ जनपद पंचायत जैजैपुर

मानसून में भारत के वाटर प्यूरीफायर बाज़ार में 32 प्रतिशत की वृद्धि, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता से विकास को मिल रही है गति

रायपुरः मानसून में ज़्यादा से ज़्यादा लोग पीने के पानी और स्वास्थ्य की सुरक्षा पर ज़ोर दे रहे है, जिसकी बदौलत भारत के वाटर प्यूरीफायर बाज़ार में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है। क्रोमा में मांग के पैटर्न भी दर्शाते हैं कि, भारत भर के घरों में वाटर प्यूरीफायर पर सबसे ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं, वाटर प्यूरीफायर की साल भर की खरीदारी में से लगभग 35त्न खरीदारी मानसून के दौरान होती है। इस वर्ष की पहली तिमाही में वाटर प्यूरीफायर की मांग में दो अंकों की मज़बूत वृद्धि देखी गई। बरसात के मौसम में हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस ए जैसी दूषित पानी के कारण होने वाली बिमारियों के बारे में बढ़ती जागरूकता इसका कारण है। इस श्रेणी में उपभोक्ता व्यवहार को समझने के लिए किए जाने वाले क्रोमा के इंडस्ट्री रिसर्च के अनुसार, निम्नलिखित ट्रेंड देखे गए हैं -

क्षेत्रीय मांग: 31 प्रतिशत के साथ उत्तर भारत आरओ खरीद में सबसे आगे है, उसके बाद दक्षिण (30 प्रतिशत), पश्चिम (25 प्रतिशत) और पूर्व (15 प्रतिशत) हैं।

तकनीकी पसंद: आरओ तकनीक मशहूर हो रही है, इलेक्ट्रिक वाटर प्यूरीफायर की बिक्री में लगभग 90 प्रतिशत का योगदान आरओ का है; शेष हिस्सेदारी यूवी मॉडल की है।

रंग: सभी क्षेत्रों में काला रंग सबसे पसंदीदा बना हुआ है, आरओ इकाइयों में 62 प्रतिशत और यूवी इकाइयों में 53 प्रतिशत हिस्सा काले रंग की बिक्री का है, सफेद रंग लगभग 30 प्रतिशत है।

विशेषता लोकप्रियता: आधे से ज़्यादा इकाइयों में यूएफ और यूवी फ़िल्टरेशन शामिल हैं; 15 प्रतिशत में क्षारीय विशेषताएं हैं; 8 प्रतिशत में कॉपर तकनीक का उपयोग किया गया है।

ज़ प्रीमियम सेगमेंट में बदलाव: ?15,000 से अधिक कीमत वाले मॉडलों में खनिज-वर्धित कार्यक्षमता तेज़ी से लोकप्रिय हो रही है।

कलेक्टर ने तहसील बम्हनीडीह कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

राजस्व के छोटे-छोटे प्रकरणों का तुरंत निराकरण करें न होने दे लंबित - कलेक्टर

कलेक्टर ने जनपद पंचायत बम्हनीडीह का निरीक्षण कर योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के दिए निर्देश

लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिए प्रत्येक 15 दिवस के भीतर कैम्प कोर्ट लगाने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा /समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज बम्हनीडीह के तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय एवं कृषक सेवा सहकारी समिति मर्यादित में चल रहे कृषक पंजीयन कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व के छोटे-छोटे प्रकरणों का तुरंत निराकरण किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय में नामांतरण, अविवादित व विवादित बंटवारे, अभिलेख दुरूस्ती, त्रुटि सुधार, सीमांकन से संबंधित प्रकरणों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकरण की पेशी की तिथि अनावश्यक रूप से न बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण प्राथमिकता में किया जाए और इसके लिए प्रत्येक 15 दिवस के भीतर कैम्प कोर्ट लगाकर मामलों का निपटारा सुनिश्चित करें। साथ ही त्रुटि सुधार संबंधी सभी प्रकरणों का निराकरण त्रुटि सुधार मॉड्युल के माध्यम से मौके पर ही किया जाए। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में आने वाले आवेदकों से बातचीत की और उनकी शिकायतो को सुना।

कलेक्टर श्री महोबे ने जनपद पंचायत बम्हनीडीह कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से भवन की स्वच्छता पर जोर देते हुए साफ-सफाई के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यक्रम अधिकारी को मनरेगा कार्यों का अवलोकन करने एवं स्वीकृत कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कृषक सेवा सहकारी समिति मर्यादित बम्हनीडीह में चल रहे कृषक पंजीयन कार्य का औचक निरीक्षण करते हुए एग्रीस्टैक पोर्टल पर किये जा रहे पंजीयन की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से कहा कि एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराकर फॉर्मर आईडी बनवाने वाले किसानों को फसल बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, केसीसी, फसल ऋण जैसी कई सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। उन्होंने एग्रीस्टैक में कृषकों शत प्रतिशत पंजीयन करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा करते हुए खाद की जानकारी ली। किसानों ने खाद की कमी को बताया तो उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खाद उपलब्ध कराने एवं संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम श्री पवन कोसमा, जनपद पंचायत सीईओ सुश्री प्रज्ञा यादव सहित तहसीलदार, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनपद पंचायत बम्हनीडीह के सचिवो की ली बैठक- जनपद पंचायत बम्हनीडीह के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री महोबे ने सचिवों से बैठक मे कहा कि शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन गंभीरता और जिम्मेदारी से किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी, विद्यालय, मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से मरम्मत संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और स्पष्ट किया कि सभी कार्य गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ होने चाहिए और इसकी जांच आरईएस एवं मनरेगा तकनीकी अमले के द्वारा सतत रूप से किया जाए। कलेक्टर ने वृक्षारोपण पर भी विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जिससे हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास सफल हों। साथ ही उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्रेशन (किसान पंजीयन) पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि किसी पात्र किसान का पंजीयन छूट न पाए। उन्होंने यह भी कहा कि राशन कार्ड वितरण में पात्र और अपात्र का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना सुनिश्चित करें।

अभियान देशभर के 30 राज्यों में संचालित किया जा रहा है

आदि कर्मयोगी अभियान: विकसित भारत में सशक्त होगा जनजातीय समाज

रायपुर। देश की आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब किसी सरकार ने जनजातीय समाज के जीवन स्तर को उपर उठाने के लिए देशव्यापी अभियान छेड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार जैसे मूलभुत सुविधाओं से जोड़ने और इनका लाभ दिलाने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत की है। यह अभियान देशभर के 30 राज्यों में संचालित किया जा रहा है। यह अभियान देश भर के 550 से ज्यादा जिलों और 1 लाख से अधिक आदिवासी बहुल गांवों में बदलाव के लिए काम करेगी।

बता दें कि जब भारत 2047 में अपनी आज़ादी के 100 वर्ष पूरा करेगा। उस समय तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए यह जरूरी है कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे न छूटे। आदिवासी समाज को आगे बढ़ाए बिना यह सपना अधूरा रहेगा। आदि कर्मयोगी अभियान इस अंतर को भरने के लिए एक ठोस कदम है। यह अभियान शासन और समाज के बीच की दूरी को कम करेगा, पारदर्शिता लाएगा और योजनाओं को ज़मीनी स्तर तक पहुँचाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अभियान को सेवा पर्व का रूप दिया है। उनका कहना है कि यह केवल योजनाओं की जानकारी देने का प्रयास नहीं, बल्कि समाज और शासन को जोड़ने वाला पुल है। छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए वृहद स्तर पर आदिकर्म योगियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कर्मयोगी जनजातीय परिवारों से घर-घर संपर्क कर उनकी आवश्यकताओं और जरूरतों को समझेंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगे, राज्य और जिला स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी। राज्य सरकार के सभी विभागों के अधिकारी इस कार्य में संवेदनशीलता के साथ सीधे जुड़ेंगे।

आदिकर्मयोगी अभियान का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर इसलिए भी है क्योंकि भारत की जनजातीय आबादी लगभग 10 करोड़ से अधिक है। इतने बड़े समुदाय को मुख्यधारा में लाए बिना 2047 तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। यह अभियान प्रधानमंत्री की उस सोच से जुड़ा है, जिसमें हर क्षेत्र, हर समाज और हर नागरिक को विकसित भारत की यात्रा में समान अवसर देना है। भारत का विकास केवल शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह सकता। एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र वही कहलाएगा, जहाँ समाज के हर तबके को समान अवसर मिले और उसकी संस्कृति को उचित सम्मान दिया जाए। इसी सोच को मूर्त रूप 'आदि कर्मयोगी अभियान' के जरिए दिया जा रहा है। यह वस्तुत: जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है।

छत्तीसगढ़ देश का वह राज्य है जहाँ सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या निवास करती है। इसीलिए इस अभियान का यहां विशेष महत्व है। आदिवासी समाज की असली चुनौती यही रही है कि अनेक योजनाएँ होते हुए भी उनकी जानकारी और लाभ ज़रूरतमंदों तक समय पर नहीं पहुँच पाते। ऐसे में लाखों कर्मयोगी स्वयंसेवक योजना और समाज के बीच सेतु बन सकेंगे। यह अभियान राज्य के 28 जिलों और 138 विकासखंडों के 6 हजार 650 गांवों में 1 लाख 33 हजार से अधिक वालंटियर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा है। छत्तीसगढ़ में यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पूरे राज्य में ग्राम पंचायत स्तर पर सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा।

आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री राम विचार नेताम में अधिकारियों को पंचायतों में आदि सेवा केंद्र स्थापित करने और जनजातीय परिवारों को पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, छात्रवृत्ति, रोजगार, कौशल विकास जैसी सुविधाओं के लिए मार्गदर्शन और योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि इस अभियान को सेवा पर्व के रूप में मनाया जाए और जनजातीय योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने का ठोस प्रयास किया जाए।

ऑपरेशन साइबर शील्ड : फर्ज़ी सिम कार्ड बेचने वाले दो एजेंट गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत फर्जी सिम कार्ड बेचने वाले दो प्वाइंट ऑफसेल (POS) एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों द्वारा जारी किए गए सिम कार्ड पहचान चोरी और कम कीमत में सामान देने के बहाने धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों में प्रयोग किए जा रहे थे।

मामला दर्ज

थाना सिविल लाइन रायपुर में अपराध क्रमांक 290/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 3(5) बीएनएस एवं 42(3) टेलीग्राफ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इस मामले में अब तक 18.52 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें 41 मोबाइल सिम कार्ड का उपयोग हुआ था।

विवेचना और कार्रवाई

रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा की गई विवेचना में सिम प्रदाता कंपनियों से जानकारी प्राप्त कर तकनीकी विश्लेषण किया गया। पीड़ितों एवं साक्षियों से पूछताछ के आधार पर दो क्क्स एजेंटों की संलिप्तता सामने आई। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

गिरफ्तार एजेंट

आशीष सिंह, पिता राजेन्द्र प्रसाद सिंह, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम सहीजीवार, थाना सुहागिन, जिला रिंवा (मध्यप्रदेश)

पन्ना लाल साहू, पिता लीलाधर साहू, उम्र 33 वर्ष, निवासी बजरंग चौक के पास ग्राम परसतराई, थाना धरसींवा, जिला रायपुर

अपराध का तरीका

गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि नया सिम लेने या सिम पोर्ट कराने आने वाले ग्राहकों का डबल थंब स्कैन/आई ब्लिंक कर ई-केवाईसी के माध्यम से अतिरिक्त सिम जारी कर देते थे।

जिन ग्राहकों के पास आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी होती थी, उनका विवरण स्वयं वेरीफाई कर डी-केवाईसी से फर्जी सिम एक्टिवेट करते थे।

बाद में इन फर्जी सिम कार्ड्स को अधिक दामों में साइबर अपराधियों को बेचते थे।

आगे की कार्यवाही

पुलिस ने बताया कि इस मामले की जाँच आगे भी जारी है। संभावना है कि आरोपियों के नेटवर्क से जुड़े और लोग भी जल्द गिरफ्त में आएंगे।

बिल्हा, हथबंद, देवबलोदा चरौदा स्टेशनों में एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव, यात्रियों में खुशी की लहर

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली लगभग 52 ट्रेनों का विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है इसी कड़ी में रायपुर रेल मंडल के बिल्हा, हथबंद, देवबलोदा चरौदा स्टेशनो में एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव से यात्री अभिभूत हो रहे हैं। यात्रियों ने रेलवे के आत्मीय सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया है। श्रीमती अखिलेश्वरी शुक्ला जो प्रधान अध्यापिका एवं संचालिका न्यू छत्तीसगढ़ स्कूल हथबंद एवं समाज सेविका है वह दैनिक यात्रियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापन करने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पहुंची एवं मंडल रेल प्रबंधक को धन्यवाद ज्ञापित किया। एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के साथ ट्रेनों के ठहराव से यात्रियों को आवागमन में होने वाली सुविधाओं एवं समय की बचत, सामाजिक रेल पर चर्चा की।

दिनांक 1 सितंबर 2025 को पहली बार हथबंद रेलवे स्टेशन पर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के रुकने पर दैनिक यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भव्य स्वागत किया एवं उत्साह और जोश से रेलवे को धन्यवाद दिया। स्थानीय नागरिकों ने उक्त स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव से नौकरीपेशा लोगों को, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए रायपुर शहर आने वाले युवाओं को, व्यापार के सिलसिले में आने जाने वाले लोगों को भी बहुत लाभ मिलेगा। बिल्हा रेलवे स्टेशन पर बिलासपुर नागपुर इंटरसिटी, सारनाथ, शालीमार एवं शिवनाथ एक्सप्रेस को ठहराव दिया गया है।

अंबेडकर अस्पताल के नर्सिंग कर्मचारियों को भी मिले वेतन वृद्धि का लाभ: NSUI

रायपुर। राजधानी के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के नर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर 1 सितम्बर को एनएसयूआई प्रतिनिधि मंडल ने अधिष्ठाता से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व रायपुर जिला एनएसयूआई उपाध्यक्ष तारिक अनवर खान ने किया। उन्होंने अधिष्ठाता को अवगत कराया कि नर्सिंग स्टाफ अस्पताल की रीढ़ हैं और दिन-रात सेवा देकर स्वास्थ्य व्यवस्था को संभाल रहे हैं। बावजूद इसके उन्हें अब तक दैनिक वेतन वृद्धि (सम्मान राशि) का लाभ नहीं मिला है, जबकि प्रदेश के अन्य शासकीय अस्पतालों में यह सुविधा पहले से दी जा रही है।

समानता और सम्मान का मुद्दा

तारिक अनवर खान ने कहा कि यह सिर्फ वेतन का नहीं बल्कि सम्मान और समान अधिकार का विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो नर्सिंग कर्मचारी आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

अधिष्ठाता ने दिया आश्वासन

मुलाकात के दौरान अधिष्ठाता ने प्रतिनिधि मंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि नर्सिंग कर्मचारियों की समस्या को शासन तक पहुँचाया जाएगा और अंबेडकर अस्पताल के कर्मचारियों को भी अन्य शासकीय अस्पतालों की तर्ज पर सम्मान राशि दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रतिनिधि मंडल में रहे शामिल

इस अवसर पर एनएसयूआई जिला महासचिव संस्कार पांडेय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष चंदन गुप्ता, अर्जुन प्रताप सिंह, वरुण चावड़ा, अनुज अग्रवाल सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं द्वारा अपेक्षित प्रगति न होने पर मंत्री ने जतायी नाराजगी

चार नए स्मार्ट इंडस्ट्रीयल एरिया का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के दिए निर्देश

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज दोपहर मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के विभागीय काम-काज की समीक्षा की। मंत्री श्री देवांगन ने सीएसआईडीसी के अंतर्गत औद्योगिक पार्कों की स्थापना जानकारी लेते हुए रायपुर के उरला में 39 करोड़ रूपए की लागत से बन रहे प्रदेश के पहले प्लास्टिक पार्क निर्माण की जानकारी लेते हुए इसे 30 अक्टूबर 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में उन्होंने प्रदेश में चार नए स्मार्ट इंडस्ट्रीयल एरिया का कार्य जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। इनमें जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सीलादेही बिर्रा, गतवा राजनांदगांव जिले के ग्राम बीजेतला नवा रायपुर में प्रस्तावित फर्मास्युटिकल पार्क एवं बस्तर जिले के ग्राम नियानार शामिल है। मंत्री श्री देवांगन ने रजिस्ट्रार एवं फर्म संस्थाएं के कार्यों के समीक्षा करते हुए विभाग से जुड़ी शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त की तथा सभी कार्यों को समयसीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने पैसों के लेनदेन की शिकायते आने पर निलंबन की कारवाई की सख्त हिदायत दी ।उन्होंने 92 निवेश पत्र जारी किए गए नए उद्योगों के काम शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक में उद्योग विभाग के संचालक श्री प्रभात मलिक, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री विश्वेश कुमार, उद्योग विभाग के उप सचिव सुश्री रेना जमीन, ओएसडी श्रीमती कमलेश नंदनी साहू, रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं की पंजीयक श्रीमती पदमनी भोई साहू, उद्योग विभाग के अपर संचालक श्री आलोक त्रिवेदी प्रवीण शुक्ला एवं श्री संतोष भगत सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए मैदानी अधिकारी उपस्थित थे।

कोरबा में एल्युमिनियम पार्क के लिए जल्द जमीन हस्तांतरित प्रक्रिया को पूर्ण करें उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा में प्रस्तावित एल्युमिनियम पार्क की स्थापना के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि उत्पादन कम्पनी ने अपने बोर्ड मिटिंग में बंद हो चुके पूर्व विद्युत संयंत्र के जमीन को उद्योग विभाग को हस्तांतरित करने हेतु स्वीकृति मिल चुकी है, मंत्री ने जमीन हेंडओव्हर की प्रक्रिया जल्द पूरा कर एल्युमिनियम पार्क बनाने की दिशा में शीघ्र काम शुरू करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उद्योग मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में औद्योगिक पूंजी निवेश को बढ़ावा देने एवं निवेशकों को आकर्षित करने के लिए हाल ही में जापान एवं दक्षिण कोरिया का दौरा किए है। इससे वैश्विक स्तर पर प्रदेश की औद्योगिक नीति को पहचान मिली है। निवेश हब की और प्रदेश बढ़ रहा है ।श्री देवांगन ने कहा कि निवेशकों के लिए छत्तीसगढ़ पसंदीदा राज्य बन चुका है। दिल्ली, मुबंई, बैंगलुरू के साथ रायपुर में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा चुका है। इन समिट के माध्यम से अब तक 6 लाख 65 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव राज्य को मिल चुके है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में नया औद्योगिक वातावरण बन रहा है। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश की नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 लागू होने के पश्चात कम समय में ही प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। उद्योग विभाग द्वारा सिंगल विन्डो सिस्टम लागू कर सरलीकरण किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से होगा तीजा मिलन समारोह, समस्त मंत्री सहित दिग्गज नेता होंगे शामिल

रायपुर। राजधानी में 3 सितम्बर को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा तीजा मिलन समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से बी-5/10, शंकर नगर, रायपुर में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक किरण सिंह देव सहित अनेक मंत्रीगण एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्रीगण आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल, वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, लोक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, पर्यटन एवं राजस्व मंत्री राजेश अग्रवाल भी शामिल होंगे। तीजा मिलन समारोह में प्रदेश की संस्कृति और परंपरा के रंगों का संगम देखने को मिलेगा। आयोजन समिति ने सभी नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर तीजा पर्व की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

नृत्य और संस्कृति के रंगों से सजा वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन का तीज महोत्सव

रायपुर। पारंपरिक नृत्य और उल्लास से भरे वातावरण में वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद द्वारा आयोजित तीज महोत्सव का भव्य आयोजन पुरानी बस्ती स्थित अग्रवाल भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आईं महिलाओं और युवतियों ने समूह नृत्य, एकल नृत्य, युगल नृत्य और तीज सुंदरी प्रतियोगिता में शानदार प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे और विशेष अतिथि राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा रहीं। अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया।

महापौर चौबे ने कहा कि तीज का पर्व पति की लंबी उम्र की कामना और पारिवारिक सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इस तरह का सांस्कृतिक मंच समाज में प्रतिभा और मेल-जोल दोनों को बढ़ाता है। वहीं, आयोग अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन केवल सांस्कृतिक ही नहीं बल्कि जागरूकता के लिए भी लगातार कार्यक्रम करता है।

प्रतियोगिता परिणाम

एकल नृत्य: प्रथम ङ्क स्वीटी शर्मा, द्वितीय ङ्क अल्पना शर्मा

युगल नृत्य: प्रथम ङ्क सुरभि शर्मा, मनका त्रिपाठी, द्वितीय ङ्क सीमा चोपड़ा, रावी चोपड़ा

समूह नृत्य: प्रथम ङ्क महिषासुर मर्दनी ग्रुप, द्वितीय ङ्क निधि दीवान ग्रुप

तीज सुंदरी: विजेता ङ्क श्रीमती उन्नति शुक्ला

सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र और उपहार प्रदान किए गए, वहीं अन्य प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया गया।

निर्णायक मंडल

निर्णायक की भूमिका में फिल्म कलाकार मनीषा शुक्ला, मानसी ब्यूटी पार्लर की संचालिका मंजूषा संत, और डांस टीचर वरलक्ष्मी राव रहीं।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा, महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, प्रदेश महासचिव सुनील ओझा, सांस्कृतिक सचिव प्रीति मिश्रा सहित रायपुर, बिलासपुर, भाटापारा, बलौदाबाजार, बेमेतरा और दुर्ग जिले से लगभग 70 प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। तीज महोत्सव ने पारंपरिक संस्कृति, नृत्य और सामाजिक एकता का अनूठा संगम प्रस्तुत किया।

हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी के परिणाम सुधार के लिए ठोस प्रयास करें : शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव

रायपुर। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं के परिणामों में सुधार लाने के लिए अभी से ठोस और प्रभावी प्रयास किए जाएं। इसके लिए स्कूलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा पठन-पाठन की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाए।

मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर शिक्षकों को प्रशिक्षण एवं समुचित सलाह उपलब्ध कराई जाए। बैठक में श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी सचिव स्कूल शिक्षा एवं लोक शिक्षण संचालक श्री ऋतुराज रघुवंशी ने विभागीय संरचना, शासकीय स्कूलों और छात्रों की संख्या, शिक्षकों की स्थिति, शैक्षणिक पद, बजट प्रावधान, अधोसंरचना तथा विद्यार्थियों के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। मंत्री श्री यादव ने नि:शुल्क गणवेश, नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और नि:शुल्क सरस्वती साइकिल योजना की जानकारी लेकर इन योजनाओं को सुचारू रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान को भी पूरी गंभीरता से लागू करने पर जोर दिया। श्री यादव ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में सामुदायिक सहयोग बेहद आवश्यक है। इसके लिए स्कूलों में सामाजिक अंकेक्षण आयोजित किए जाएं, ताकि समाज की भागीदारी से शिक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ हो सके।

संपादकीय

ट्रंप प्रशासन की नीति को प्रभावित करना मुश्किल

यह अच्छी खबर है, क्योंकि भारत में ट्रंप का दूत एक ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनका खास विश्वस्त है। मगर पेच यह है कि ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी बना दिया है। डॉनल्ड ट्रंप ने अपने निजी विश्वस्त और मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के प्रमुख संगठनकर्ताओं में से एक सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का राजदूत मनोनीत किया है। एक नजरिए से यह अच्छी खबर है, क्योंकि भारत में उनका दूत एक ऐसा व्यक्ति होगा, जो सीधे उनसे फोन मिलाने की हैसियत रखता है। मगर पेच यह है कि ट्रंप ने साथ ही गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी नियुक्त कर दिया है। यानी उन्होंने भारत को इन क्षेत्रों से संबंधित देशों के साथ एक समूह में रखा है। मतलब यह कि उनकी रणनीति में भारत इतना महत्त्वपूर्ण नहीं है कि वहां के लिए एक विशिष्ट राजदूत की नियुक्ति की जाए। सर्जियो गोर के कार्यक्षेत्र में जो देश आएंगे, उनमें पाकिस्तान और अफगानिस्तान भी हैं। ऐसी चर्चा है कि ट्रंप इस क्षेत्र की अपनी सुरक्षा रणनीति में पाकिस्तान को खास अहमियत दे रहे हैं, क्योंकि वे उसकी अफगानिस्तान में स्थिरता लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका देखते हैं। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन पाकिस्तान का उपयोग ईरान और चीन से अंदरूनी संपर्क बनाए रखने के माध्यम रूप में भी करना चाहता है। ऐसे में आशंका यह है कि सर्जियो गोर भारत और पाकिस्तान को समान पलड़े पर रखने की नीति पर चल सकते हैं। इससे भारत की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। जहां तक आर्थिक मामलों में अमेरिका से संबंध बेहतर करने में गोर की भूमिका का प्रश्न है, तो बेशक ट्रंप तक उनकी सीधी पहुंच इस दिशा में सहायक हो सकती है। मगर मुश्किल यह है कि ट्रंप ने टैरिफ वॉर विश्व व्यापार और विश्व भू-राजनीतिक संतुलन को पुनर्संगठित करने के मकसद से छेड़ा है। भारत उसका अधिक शिकार हुआ है, तो उसकी वजह ट्रंप प्रशासन का यह आकलन है कि भारत के पास जवाबी कार्रवाई कर अमेरिका को क्षति पहुंचाने की ताकत नहीं है। अब ये साफ हो चुका है कि ट्रंप की पूरी विदेश नीति ताकत दिखाने और ताकतवर से तालमेल बनाने पर आधारित है। ऐसे में इन अटकलों का आधार है कि सिर्फ राजनयिक संवाद या कूटनीतिक संदेशों से ट्रंप प्रशासन की नीति को प्रभावित करना बेहद मुश्किल है।

विरोधियों की महाशक्ति

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की अपरिपक्वता, खीझ और टैरिफवाद ने उन शक्तियों को एकजुट करा दिया, जो अभी तक बिखरी हुई थीं। आपस में साझापन और सामंजस्य नहीं था। आपसी एकजुटता और लामबंदी का मूल्यांकन नहीं किया गया था। बल्कि शत्रुता के भाव ज्यादा थे। कुछ हमलावर घटनाएं भी हुई थीं। भारत के लिए 1962 का युद्ध विस्मृत-सा अतीत है, क्योंकि उसके बाद भारत और चीन विश्व की महाशक्तियां बन चुकी हैं। इस बार 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के बैनर तले 26 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने जिस शिखर सम्मेलन का आगाज किया है, वे देश विश्व की नई महाशक्ति बन सकते हैं। वे देश नई वैश्विक व्यवस्था भी तैयार कर सकते हैं। एससीओ के इन 26 देशों की कुल जीडीपी 106 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। दुनिया की 40 फीसदी से अधिक आबादी इन देशों में बसती है, जो इन देशों की बुनियादी लाभांश है। यह आबादी एक सामूहिक शक्ति है। इन देशों का कुल तेल रिजर्व दुनिया के 20 फीसदी के बराबर है। इन देशों के पास 5200 से अधिक परमाणु अस्त्र हैं, हालांकि अधिकतर देश परमाणु सम्पन्न नहीं हैं। रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर धारक देश हैं। दूसरी तरफ अमरीका के पक्ष में नाटो और यूरोपीय देश भी नहीं हैं। ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे वीटो पॉवर देश भी पूर्णत: अमरीका के पक्ष में नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद ने 'विरोधियों की महाशक्ति' के उभरने का मौका दिया है, जबकि अमरीका की फेडरल अपीलीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफवाद को 'अवैध' करार दिया है। अदालत का मानना है कि राष्ट्रपति के पास ऐसे आपातकालीन, असीमित अधिकार नहीं हैं। सिर्फ अमरीकी कांग्रेस (संसद) ही ऐसे व्यापक टैरिफ को स्वीकृति दे सकती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप के पास 14 अक्तूबर तक का समय है कि वह इस अदालती फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकते हैं। बहरहाल एससीओ के विमर्श का अकेला मुद्दा टैरिफवाद नहीं है। दरअसल अब अमरीका के एकाधिकारवाद के खिलाफ देश लामबंद हो रहे हैं। भारत, चीन, रूस सरीखी शक्तियां, अन्य देशों के पूर्ण समर्थन के साथ, अपने पुराने मतभेदों को हाशिए पर रखकर लामबंद हो रही हैं, तो इसमें अमरीकी राष्ट्रपति की 'दादागीरी' की भूमिका अत्यधिक है। सात लंबे सालों के बाद प्रधानमंत्री मोदी न केवल चीन प्रवास पर हैं, बल्कि रविवार, 31 अगस्त, 2025 की सुबह 9.35 बजे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ करीब एक घंटा द्विपक्षीय बातचीत भी हुई है। यह मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण है। साझा संवाद के मुद्दे बाद में सार्वजनिक हुए, लेकिन भारत-चीन की यह एकजुटता ही 'महाशक्ति' का सूत्रपात करती है। दोनों देशों ने सीमा-विवाद सुलझाने का एक रोडमैप और कार्यबल भी तय कर लिए हैं। हालांकि यह एक लंबी और पेचीदा प्रक्रिया है। मोदी, जिनपिंग के साथ रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी इस मंच पर मौजूद हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन का द्विपक्षीय संवाद भी सोमवार को संभव है। 'विरोधियों की महाशक्ति' के निर्माण में जापान भी शामिल है, जो 'क्वाड' में भारत, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया के साथ सदस्य है। 'क्वाड' की अक्तूबर-नवंबर में भारत में होने वाली शिखर बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप के शिरकत के आसार नगण्य हैं। बहरहाल जापान ने भारत में 6 लाख करोड़ रुपए के निवेश का समझौता प्रधानमंत्री मोदी के हालिया प्रवास के दौरान किया है। सुजुकी कॉरपोरेशन ने भी 70,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। हालांकि अमरीका ने जापान पर सिर्फ 15 फीसदी का टैरिफ लगाया है, लेकिन जब व्यापक स्तर पर महाशक्तियों का ध्रुवीकरण हो रहा है, तो जापान भी उसमें शामिल हो रहा है। बहरहाल आने वाले दिनों में वैश्विक समीकरण बदलेंगे, तो ऐसा नहीं है कि भारत-अमरीका के रणनीतिक साझेदारी वाले संबंध एकदम समाप्त हो जाएंगे।

मेड इन इंडिया उत्पाद खरीदने का आह्वान

अजीत द्विवेदी

भारत में एक और स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में इसका आह्वान किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू होने से पहले यानी 27 अगस्त से पहले उन्होंने कई बार यह आह्वान दोहराया। उन्होंने देश के लोगों से अपने देश में बनी वस्तुओं का इस्तेमाल करने की अपील की। इतना ही नहीं उन्होंने भारत के कारोबारियों से आह्वान किया कि वे देश में बना सामान बेचें। इसके बाद उन्होंने कारोबारियों से आह्वान किया कि वे अपनी दुकान के ऊपर बोर्ड लगाएं कि, 'यहां स्वदेशी सामान बिकता है'। प्रधानमंत्री की अपील थी, 'यह त्योहारों का मौसम है। अब नवरात्रि, विजयादशमी, धनतेरस, दिवालीज् ये सभी त्योहार आ रहे हैं। ये हमारी संस्कृति के उत्सव हैं, लेकिन ये आत्मनिर्भरता के भी उत्सव होने चाहिए। इसलिए, मैं आपसे एक बार फिर आग्रह करता हूं कि हमें अपने जीवन में एक मंत्र अपनाना होगा, हम जो भी खरीदेंगे वह 'मेड इन इंडिया' होगा, स्वदेशी होगा'।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 साल से आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात कर रहे हैं। वे पिछले 10 साल से 'मेक इन इंडिया' अभियान चला रहे हैं और अब स्वदेशी आंदोलन 2.0 का ऐलान करते हुए लोगों को 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदने का आह्वान कर रहे हैं। सवाल है कि पिछले 11 साल में भारत अपनी जरुरतों के मामले में कितना आत्मनिर्भर हुआ है? इसका जवाब यह कि इस अवधि में आत्मनिर्भर होने की बजाय दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता बढ़ती गई है। देश के नागरिक रोजमर्रा की जरुरत की चीजों के लिए चीन और दूसरे देशों पर निर्भर हो गए हैं। चीन के साथ भारत का कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ा है और उसी अनुपात में व्यापार घाटा भी बढ़ा है। भारत का तेल आयात 2014 में 80 फीसदी के करीब था, जो बढ़ कर 82 फीसदी हो गया है। वैकल्पिक ऊर्जा के तमाम उपायों के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर ज्यादा निर्भर हो गया है। सिर्फ इस साल में अमेरिका से हमारी ऊर्जा खरीद पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई है। हम जो चीजें बनाने का दावा कर रहे हैं उनके भी जरूरी कंपोनेंट दुनिया के दूसरे देशों से आ रहे हैं।

हालांकि अब आत्मिर्भरता की परिभाषा वही नहीं है, जो डेढ़ सौ साल पहले भारत के पहले स्वदेशी आंदोलन के समय थी। वास्तविकता यह है कि वर्तमान विश्व में कोई भी देश अपने को आत्मनिर्भर नहीं बना सकता है और न आत्मनिर्भर होने का दावा कर सकता है। अमेरिका और चीन भी अपवाद नहीं हैं। उनका काम भी दुनिया के बगैर नहीं चल सकता है। दुनिया एक गांव में बदल गई है, जिसमें सब एक दूसरे से जुड़े हैं और सबको एक दूसरे की जरुरत है।

मनुष्य के संबंध में महान दार्शनिक अरस्तू ने कहा था, 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी हैज्..अगर कोई समाज में रहने में अक्षम है या समझता है कि उसे किसी की जरुरत नहीं है क्योंकि वह अपने लिए सक्षम है तो वह या तो राक्षस है या देवता'। उसी तरह आज की दुनिया में देशों के लिए कहा जा सकता है। आज कोई भी देश यह कहने की स्थिति में नहीं है कि उसे किसी की जरुरत नहीं है और वह अपने लिए सक्षम है। सवाल है कि ऐसे विश्व में आत्मनिर्भरता का क्या अर्थ है? ऐसे विश्व में आत्मनिर्भरता का अर्थ बराबरी का संबंध है, जिसमें बेचारगी नहीं होनी चाहिए और यह तब होगा, जब किसी और तरीके से आप भी सक्षम होंगे। अगर आप कुछ खरीद रहे हैं तो आपके पास कुछ बेचने के लिए भी होना चाहिए। समानों के बीच ज्यादा समानता होती है, इसका हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

दुर्भाग्य से पिछले 11 साल से सिर्फ बातें हुई हैं और इस दौरान देश और इसके नागरिकों को सक्षम बनाने की बजाय उनको सरकारी राहतों और सरकार की कृपा पर निर्भर बनाया गया है। भारत में अमेरिका की तरह बड़ा कॉरपोरेशन बनाने की मूर्खतापूर्ण सोच में देश में पहले से चल रहे छोटे छोटे उद्यमों को हतोत्साहित करके या मनमाने आर्थिक फैसलों व नीतियों के जरिए बंद करा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि देश के लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्यमी कारोबारी बन गए। उन्होंने अपना उद्यम बंद कर दिया और चीन व दूसरे देशों से सामान लाकर बेचने लगे। इससे भारत की निर्भरता चीन और दूसरे देशों पर बढ़ती गई।

भारत उद्यमियों की बजाय कारोबारियों का देश बन गया। इससे देश में अमीरी नहीं आई और न उपभोग बढ़ा। जानकर हैरानी होगी कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश की दुनिया के कुल उपभोग में हिस्सा सिर्फ नौ फीसदी है। सोचें, दुनिया का हर छठा आदमी भारतीय है लेकिन दुनिया सौ रुपया खर्च करती है तो उसमें सिर्फ नौ रुपया भारतीय लोग खर्च करते हैं, जो कम से कम 16 रुपया होना चाहिए। सो, स्थिति यह है कि भारत न उत्पादन कर रहा है और न आबादी के अनुपात में उपभोग कर रहा है। अगर हम उपभोग ज्यादा कर रहे होते तब भी दुनिया झुकती।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि भारत में स्वदेशी की शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी लेकिन ऐसा नहीं है। महात्मा गांधी ने स्वदेशी को 'स्वराज की आत्मा' कहा था। लेकिन इसकी शुरुआत जिस समय हुई थी उस समय मोहनदास करमचंद गांधी सिर्फ तीन साल के थे। 1872 में पश्चिम बंगाल और पंजाब के महान स्वतंत्रता सेनानियों और विचारकों ने इसका सिद्धांत दिया था। बंकिमचंद्र चटोपाध्याय ने 'बंगदर्शन' के एक अंक में लिखा था, 'जो विज्ञान स्वदेशी होने पर हमारा दास होता, वह विदेशी होने के कारण हमारा प्रभु बन बैठा है। हमलोग दिन ब दिन साधनहीन होते जा रहे हैं'। इसके बाद स्वदेशी को इस रूप में परिभाषित किया गया कि इसमें किसी किस्म का बलप्रयोग नहीं होगा, बल्कि सर्वाधिक कारगर 'नैतिक शत्रुता' के अस्त्र से लड़ा जाएगा। 1905 में बंगाल विभाजन के समय स्वदेशी आंदोलन विरोध का एक कारगर अस्त्र बना और जब 1915 में महात्मा गांधी भारत आए तो उन्होंने लोगों से विदेशी वस्तुओं को त्यागने और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया।

यह ब्रिटिश हुकूमत से नैतिक शत्रुता की घोषणा थी, जिसका आह्वान नैतिकता के सर्वोच्च शिखर से महात्मा गांधी ने की थी। उन्होंने स्वंय विदेशी वस्तुओं का परित्याग किया। उनके साथ जुड़े तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके घरों के लोगों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया। अंग्रेजी हुकूमत की ज्यादतियों से डरे बगैर सार्वजनिक स्थानों पर विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई।

क्या आज के भारत के नेताओं में ऐसा नैतिक बल है? क्या प्रधानमंत्री देश के सामने आकर कह सकते हैं कि वे विदेशी वस्तुओं का परित्याग कर रहे हैं और किसी भी विदेशी वस्तु का प्रयोग नहीं करेंगे? क्या उनकी कैबिनेट के सभी सदस्य एक साथ सामने आ कर अपने घर की विदेशी वस्तुओं की होली जला सकेंगे? क्या भारत के नेताओं की ऐसी नैतिक आभा है कि उनके आह्वान पर लोग विदेशी वस्तुओं का परित्याग करके स्वदेशी अपना लेंगे? इन सब सवालों का जवाब नकारात्मक है। ऐसा नहीं है कि नकारात्मक जवाब सिर्फ नैतिक कारणों से है। व्यावहारिक कारणों से भी अब एक सदी पहले जैसे हालात नहीं हैं कि कोई व्यक्ति या देश पूरी तरह से विदेशी का बहिष्कार कर सके।

स्वदेशी अपनाना और देश को आत्मनिर्भर बनाना सिर्फ नारों से संभव नहीं है और न किसी देश के साथ टैरिफ को लेकर चल रहे टकराव की तात्कालिकता में संभव है। यह एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इसके लिए छोटे छोटे कदम उठाने होंगे। कारोबारियों को फिर से उद्यमी बनाने के लिए सरकार को योजना शुरू करनी होगी। कारोबारियों को प्रोत्साहित करना होगा कि वे चीन से सामान लाकर बेचने की बजाय उन सामानों का उत्पादन करें। रोजमर्रा की जरुरत की छोटी छोटी वस्तुओं का उत्पादन अगर भारत में होने लगे तो सारा खेल पलट जाएगा। इसी तरह तकनीक में प्रयोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

विशाल और जटिल तकनीक की बजाय शुरुआत छोटी तकनीकों से हो सकती है। चीन की तरह भारत में अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विकसित हो सकता है। जरूरी कामकाज से लेकर मनोरंजन तक के ऐप तैयार हो सकते हैं। अपना सर्च इंजन बनाया जा सकता है। ई कॉमर्स के प्लेटफॉर्म विकसित हो सकते हैं। ध्यान रहे सर्विस सेक्टर में भारत अपने को बेहतर बनाए तो देशी कंपनियों को 140 करोड़ लोगों का बाजार मिलेगा। स्वदेशी अपनाने की दिखावे वाली अपील से पहले भारत में स्वदेशी वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने की ज्यादा आवश्यकता है। यह प्रतीकात्मक मामला नहीं होना चाहिए और किसी देश पर दबाव डालने के लिए इतने इतने महान विचार का सतही इस्तेमाल भी नहीं किया जाना चाहिए।

हिंदी क्यों न हो राष्ट्र भाषा

सनातन धर्म के अनुसार जीव-जंतुओं की चौरासी लाख योनियां होती हैं। इन सबकी कोई न कोई बोली या भाषा अवश्य होती होगी। इस गूढ़ रहस्य को सृष्टि रचयिता ही जान सकता है। हम तो कुछ जीव-जंतुओं की भाषा के बारे में ही बता सकते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि सबकी अपनी भाषा होती है। हमारे देश भारतवर्ष में संस्कृत को सबसे प्राचीन और अन्य भाषाओं की जननी कहा गया है, पर भाषा एक बहता नीर है, उसे कोई बांध नहीं पाया। इसलिए समय के अनुसार उसमें परिवर्तन होते रहे। मुगलों के शासन में उर्दू या फारसी भाषा ने अपना आधिपत्य जमाने का प्रयास किया। फिर अंग्रेजों के शासन काल में अंग्रेजी भाषा का बोलबाला और प्रसार होता गया। भारत में संस्कृत कई पड़ावों से होती हुई आधुनिक हिंदी तक पहुंची। इसी के साथ क्षेत्रीय, स्थानीय भाषाएं भी फलती-फूलती रही। संक्षेप में कहा जाए तो भारत में त्रिभाषा विवाद रहा। 19वीं सदी के ब्रिटिश भारत में इस बात को लेकर उठा विवाद था कि राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी या उर्दू को चुना जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान धार्मिक और राजनीतिक नेताओं, समाज सुधारकों, लेखकों और बुद्धिजीवियों ने हिंदी का समर्थन किया और इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने की मांग की। भारत एक ऐसा देश है, जिसके उनतीस राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग चार सौ भाषाएं और तीन सौ से अधिक बोलियां बोली जाती हैं। 2001 के भाषायी सर्वेक्षण जनगणना डेटा रिपोर्ट के अनुसार 6661 मातृभाषाएं दर्ज हैं। प्रश्न यह उठता है कि एक भाषा ऐसी होनी चाहिए जिसे पूरे देश के लोग समझ और बोल सकें। किसी समय जब हमारे यातायात के साधन विकसित नहीं थे, तो हम अपनी स्थानीय मातृभाषा से काम चला लेते थे, पर आज के इस वैश्विक युग में नौकरी, व्यापार, तीर्थ यात्रा आदि के लिए जब हम एक राज्य से दूसरे राज्य में जाते हैं तो भाषा की समस्या सामने आती है। उत्तर भारत से कोई यात्री दक्षिण भारत जाता है, तो न तो वह कुछ कह पाता है, न ही कुछ समझ पाता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए पूरे देश के लिए एक ऐसी भाषा अनिवार्य रूप से पढ़ाई जानी चाहिए जिसे हम भारत के किसी भी कोने में जाकर बोल सकें व समझ सकें। इसके लिए हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जिसे भारत देश की 55 फीसदी जनसंख्या हिंदी को मातृभाषा के रूप में या अपनी दूसरी भाषा के रूप में जानती है। इसी के साथ हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा है। इसलिए हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो राष्ट्रभाषा बनने में सक्षम है। लेकिन चिंता का विषय है कि दक्षिण भारत में हिंदी का विरोध किया जाता है जो सरासर गलत है। पूरे भारत में हिंदी का सम्मान होना चाहिए और इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना चाहिए। इसी प्रकार हमें एक ऐसी भाषा भी चाहिए जिसे पूरे विश्व में पहचाना जाए। इसके लिए अंग्रेजी को अंतरराष्ट्रीय भाषा चुना गया है, क्योंकि औद्योगिक क्रांति के बाद ब्रिटिश साम्राज्य का वैश्विक विस्तार हुआ जिससे औपनिवेशिक देशों में अंग्रेजी एक व्यावसायिक और प्रशासनिक भाषा बन गई। आधुनिक युग में वाणिज्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कूटनीति कला और औपचारिक शिक्षा इन सभी ने अंग्रेजी को पहली वैश्विक भाषा बनाने में योगदान दिया। अंग्रेजी का इंटरनेट, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और सॉफ्टवेयर विकास में व्यापक उपयोग होता है।

पोषण भी पढ़ाई भी: भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरुआत —अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज़ होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने—न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा: आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है।

आज के भारत में, खेल अब सिर्फ़ मनोरंजन भर नहीं, अपितु —नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुल स्पष्ट और विश्वसनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्यावस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है—जीवन के शुरुआती छह वर्षों में।

वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में—पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरुआत,उतने बेहतर परिणाम—और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यक्त किया गया है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है—जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है।

ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दील कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है—यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है।

मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरुआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी ज़ोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है।

बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दील कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरुआत 30 मिनट के उन्मुक्त खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है।

व्यवस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है। जो परिवार पहले कभी आंगनवाड़ियों को केवल पोषण केंद्र मानते थे, अब उन्हें अपने बच्चे की शिक्षा की यात्रा में पहला कदम मानते हैं।

भारत में हर बच्चा जन्म से ही मज़बूत शुरुआत का हक़दार है। जन्म से तीन साल तक की आयु वर्ग के बुनियादी महत्व को समझते हुए मंत्रालय ने प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय ढाँचा- नवचेतना की भी शुरूआत की है। यह पहल माता-पिता और देखरेखकर्ताओं को बच्चों के विकास के लिए घर पर ही सरल, खेल-आधारित, आयु के -उपयुक्त गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाती है।

माता-पिता की भागीदारी बच्चे के विकास की कुंजी है। जहाँ एक ओर उच्च आय वाले परिवार खिलौनों और किताबों में निवेश कर सकते हैं, वहीं सरकार की भूमिका कम आय वाले परिवारों के लिए समान अवसर प्रदान करने की है। नवचेतना और पोषण भी पढ़ाई भी के माध्यम से, हम भारत के कोने- कोने में हर बच्चे को शुरू से ही आवश्यक प्रोत्साहन, देखभाल और पोषण मिलना सुनिश्चित करते हुए इस अंतर को पाट रहे हैं।

यदि भारत को सही मायनों में विकसित बनना है, तो हमारी युवा पीढ़ी को जीवन की सही शुरुआत के साथ सशक्त बनाना होगा। खेल कोई विलासिता नहीं है—यह सीखने का आधार है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत के प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिले—क्योंकि राष्ट्र निर्माण की शुरुआत उसके सबसे छोटे नागरिकों के पोषण से होती है।

लेखिका केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकारहैं

घर में मां लक्ष्मी के साथ किस देवता की प्रतिमा रखें...

वास्तुशास्त्र का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। हमें वास्तुशास्त्र का ध्यान जरूर रखना चाहिए। वास्तु के मुताबिक, घर में सकारात्मक ऊर्जा रहने पर परिवार में सुख-समृद्धि, सुख, वैभव और अच्छी सेहत मिलती है। जबकि घर में नकारात्मक ऊर्जा होने पर व्यक्ति को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। घर में मंदिर में मां लक्ष्मी की प्रतिमा जरूर होनी चाहिए। मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। मां लक्ष्मी के साथ ही कुछ देवताओं की प्रतिमा रखना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं वास्तु एक्सपर्ट के मुताबिक घर में मां लक्ष्मी के साथ किस देवता की प्रतिमा रखें

भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्ति

वास्तु के अनुसार, भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति को घर के मंदिर में जरूर रखें। साथ ही, भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्तियों के सामने रोजाना दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर में धन की कमी नहीं होगी।

कुबेर भगवान की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा के स्वामी कुबेर हैं। जिन्हें धन के देवता के रूप में जाना जाता है। मां लक्ष्मी के साथ भगवान कुबेर की प्रतिमा भी रख सकते हैं।

विष्णु भगवान और मां लक्ष्मी की मूर्ति

घर के मंदिर में मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की प्रतिमा जरूर रखें। वास्तुशास्त्र के अनुसार भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा मंदिर में रखना शुभ होता है।

मंदिर के बर्तनों को चमकाने के लिए घर पर बनाएं क्लीनिंग पाउडर

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। करवाचौथ से लेकर अहोई अष्टमी, धनतेरस, दिवाली जैसे कई बड़े त्योहार आने वाले हैं। इन सभी त्योहारों के दिन घर की महिलाएं घर के मंदिर को साफ करने के बाद ही उसमें पूजा करती हैं। दरअसल, रोज-रोज धूप-दीप जलाने से पूजा के बर्तन अकसर काले पड़ जाते है। ऐसे में उन्हें पूजा करने से पहले साफ करना जरूरी हो जाता है। पूजा में रखें तांबे-पीतल के बर्तन को साफ करने के लिए सिर्फ साबुन-सर्फ ही काफी नहीं होता है। उसके लिए आपको खास क्लीनिंग पाउडर की जरूरत पड़ती है। जिसे ज्यादातर लोग बाजार से खरीदकर लाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं पूजा के बर्तनों को साफ करने के लिए आप घर पर ही बड़ी आसानी से क्लीनिंग पाउडर बना सकती हैं। आइए जानते है कैसे-

सफेद सिरके का क्लीनर

पूजा के बर्तनों को साफ करने के लिए एक गिलास पानी में दो चम्मच सफेद सिरका डालकर उबाल लें। अब इस पानी में साबुन मिला लें। पूजा के बर्तन साफ करने के लिए आपका क्लीनर बनकर तैयार है। इससे बर्तनों को धोएं।

गेहूं के आटे का क्लीनर

दो बड़े चम्मच गेहूं का आटा, एक बड़ा चम्मच नमक और एक बड़ा चम्मच सफेद सिरका मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को बर्तनों पर लगाकर स्क्रब से रगड़ते हुए साफ करके पानी से धो लें।

बेकिंग सोडा और डिटर्जेंट से बना क्लीनर

रात को सोने से पहले एक बर्तन में बेकिंग सोडा और डिटर्जेंट का घोल बनाकर तैयार कर लें। पूजा के बर्तनों को भी इस घोल में भिगोकर रख दें। सुबह इन बर्तनों को स्क्रब करते हुए साफ पानी से धो लें। पूजा के बर्तन चमक उठेंगे।

होममेड पितांबरी पाउडर

एक बर्तन में आधा कप लाल मिट्टी (मिट्टी का दीपक तोड़कर भी बना सकते हैं), एक कप गेहूं का आटा, आधा कप बेकिंग सोडा, एक कप नमक, आधा कप साइट्रिक एसिड और आधा कप साबुन का पाउडर मिलाकर रख लें। इन चीजों को मिलाने से आपका होममेड पितांबरी पाउडर तैयार हो जाएगा।

बिंदी लगाने के लिए माथे की चुनें ये जगह

माथे पर बिंदी लगाना सुहागिन महिलाओं के लिए जरूरी होता है। कुंवारी लड़कियां भी बिंदी लगा सकती हैं और इसे लगाने से श्रृंगार पूरा हो जाता है। बिंदी लगाने की सबसे बड़ी खासियत है कि ये चेहरे को पूरी तरह से बदल देती है। अगर आप रोजाना बिंदी नहीं लगाती हैं और एक दिन लगाती हैं तो चेहरा बिल्कुल अलग नजर आता है। बिंदी की मदद से चेहरे का फोकस प्वाइंट बदल जाता है। जिससे फेस बिल्कुल अलग शेप में दिखता है। जानें माथे के बीच में कितनी ऊंचाई पर बिंदी लगाने से चेहरा लंबा और ओवल शेप में दिखने लगता है।

चेहरे का शेप दिखेगा अलग

1) अगर आप बिंदी दोनों आईब्रो के बीच में नीचे की तरफ लगाती हैं। तो इससे नाक पर फोकस प्वाइंट बनता है। ऐसा करने से नाक छोटी नजर आती है। जिन महिलाओं की नाक बड़ी है वो नाक छोटा दिखाने के लिए बिंदी को आईब्रो के बीचोंबीच थोड़ा नीचे लगा सकती हैं।
2) बिंदी अगर दोनों आईब्रो के ठीक बीच में लगाती हैं तो इससे चेहरा बिल्कुल राउंड शेप में नजर आता है। साथ ही सारा फोकस आंखों पर जाता है।
3) चेहरे को अगर ओवल शेप में दिखाना चाहती हैं तो बिंदी को ठीक आईब्रो के ऊपर लगाएं। ऐसा करने से आईब्रो पर नजर जाती है और चेहरा अंडाकार दिखता है।
4) बिंदी को अगर आईब्रो के बीच में थोड़ी ऊंचाई पर लगाती हैं तो इससे चेहरा भरा हुआ, लंबा और मैच्योर नजर आता है।

रीढ़ की हड्डी हेल्दी रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अरीढ़ की हड्डी को शरीर का सपोर्ट सिस्टम कहा जाता है। हर साल 16 अक्टूबर को वर्ल्ड स्पाइन डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य हर किसी को रीढ़ के स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताना और रीढ़ की चोटों और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। ऐसे में इस खास दिन पर जानिए कैसे स्पाइन को हेल्दी रखा जाए।

1) ज्यादा वजन रीढ़ की हड्डी पर अनावश्यक शारीरिक तनाव डाल सकता है। बहुत ज्याद वजन से समस्याएं बढ़ सकती हैं।
2) निकोटीन एक वैसोकॉन्स्ट्रिक्टर है, यह ब्लड वेसल्स को टाइट करता है, जिसकी वजह से ब्लड फ्लो भी कम होता है। ऐसे में रीढ़ की हड्डी में ऑक्सीजन और पोषण सीमित हो जाता है।
3) लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहने से रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी को एक्टिव रखें। अगर काम पर लंबे समय तक बैठना है, तो बीच-बीच में ब्रेक लें। अपनी पीठ को लचीला रखने के लिए घूमें, टहलें और कभी-कभी व्यायाम करें।
4) योग काफी ज्यादा फायदेमंद होता है, जो मांसपेशियों को मजबूत और स्ट्रेच दोनों कर सकता है। योग की हर मुद्रा को करने से आपका खूब फायदा मिलेगा।
5) वॉटर थेरेपी पीठ की समस्याओं को कम करने में बहुत मददगार हो सकता है। वॉटर योग ताकत और आत्मविश्वास बनाने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।
6) चाहे आप एक्सरसाइज के लिए चल रहे हों या कहीं जा रहे हैं, आपके द्वारा पहने जाने वाले जूते आपकी पीठ के निचले हिस्से को सहारा देने में जरूरी होते हैं। अच्छे जूते एक सपोर्ट करते हैं जो रीढ़ और शरीर को एक सीध में रहने में मदद करते हैं।
7) एक अच्छी पीठ की मालिश के कई फायदे हैं, जैसे ब्लड फ्लो में वृद्धि, तंग मांसपेशियों के आराम को बढ़ावा मिलता है। मालिश को रिलेक्सिंग बनाने के लिए जोरदार मालिश होना जरूरी नहीं है।

लाइफ में खुश रहने के लिए इन 5 बातों को जरूर जानें

सक्सेजफुल होने के लिए खुद पर फोकस करना जरूरी है। जब तक आप खुश होकर किसी काम को करने की शुरुआत नहीं करेंगे। सक्सेज आसानी से हाथ नहीं लगेगी। इसलिए लाइफ कोच अक्सर अपने आप में इस तरह के 4-5 बदलावों को लाने के लिए बोलते हैं। जिससे ना केवल आप सक्सेजफुल बनें बल्कि लाइफटाइम हैप्पी भी रहे।

खुद को एक्सेप्ट करना सीखें

दूसरों के प्रभाव में आकर खुद के अंदर फिजिकल या इमोशनल बदलाव लाने की जरूरत नही है। अगर आपको लगता है कि आप जैसे भी हैं अच्छे हैं तो किसी की बात का निगेटिव असर पर्सनैलिटी पर ना पड़ने दें।

काम पूरा करने के लिए पूरी मेहनत लगाएं

जब भी किसी काम की शुरुआत करें तो अपना बेस्ट दें। उस काम को पूरा करने के लिए अपनी पूरी मेहनत और लगन लगा दें। भले ही उस काम में सक्सेज ना मिले लेकिन मन में किसी भी तरह का पछतावा नहीं रहना चाहिए।

जिस चीज को पसंद करें वो काम करें

अगर आपको कोई काम अच्छा लगता है और वो पॉजिटिव काम करके खुशी मिलती है तो जरूर करें। अपनी हॉबी और शौक को पूरा जरूर करें। इससे मेंटल पीस मिलता है और आप ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं।

अपने आप पर भरोसा रखें

आत्मविश्वास जरूरी है किसी भी काम को लाइफ में पूरा करने के लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस रखें। तभी कठिन से कठिन काम को करना आसन हो पाएगा।

खुद पर जुल्म ना करें

किसी काम को पूरा करने के लिए या करियर में आगे बढ़ने के लिए भी अपनी फिजिकल या मेंटल हेल्थ के साथ खिलवाड़ ना करें। जितना हो सके बस उतना ही करें क्योंकि सेहत और लाइफ सबसे ज्यादा जरूरी है।

खाने में बटर का इस्तेमाल करने से पहले जानें ये टिप्स

मक्खन का इस्तेमाल खाना बनाने में अक्सर किया जाता है। इससे बनी चीजों का स्वाद अलग ही होता है। सब्जी में मलाईदार टेक्सचर पाने के लिए मक्खन का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन कई बार इसका इस्तेमाल सही तरह से न किया जाए तो ये स्वाद को बिगाड़ सकता है। दरअसल, मक्खन बहुत जल्दी पिघल जाता है ऐसे में ध्यान हटते ही ये जल सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं मक्खन को जलने से रोकने के लिए कुछ बेहतरीन तरीकों के बारे में। ऐसा करके आप मक्खन को जलने से बचा सकते हैं।

हीट लेवल को देखें– मक्खन के जलने के पीछे मुख्य कारणों में से एक बहुत ज्यादा हीट लेवल है। ऐसे में जब भी आप इसे इस्तेमाल करें तो अपने पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें और फिर मक्खन डालें। मक्खन के पिघलते समय उसे देखते रहें। ज्यादा तेज आंच पर इसे न रखें क्योंकि मक्खन बहुत जल्दी भूरा हो सकता है और जल सकता है।

तेल के साथ करें मिक्स– इसे जलने से रोकने के लिए मक्खन को पिघलाने से पहले पैन में जरा सा तेल का डालें। तेल मक्खन को सुरक्षित रखने में मदद करता है और जलने से कुछ हद तक बचा सकता है। आप किसी भी वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं इससे स्वाद खराब नहीं होगा।

मक्खन के रंग को देखें–
जैसे–जैसे मक्खन गर्म होता है, यह झाग बनने और भूरा होने लगता है। मक्खन के पिघलते समय उसके रंग और सुगंध पर कड़ी नजर रखें। जब मक्खन हल्के सुनहरे भूरे रंग का होने लगे, तो इसे आंच से उतारें।

इस समय डालें मक्खन– मक्खन को जलने से बचाने के लिए इसे खाना पकने के अंत में डालें। आप सब्जी को आंच से उतारकर भी मक्खन डाल सकते हैं। इसकी गर्माहट से इसे धीरे से पिघलाया जा सकता है।

घर की साफ-सफाई का महत्व

घर की साफ-सफाई का महत्व तो हम सभी जानते हैं। भले ही सालभर में एक-दो बार त्यौहारों के दौरान ही घर की डीप क्लीनिंग हो,लेकिन रेगुलर बेसिस पर भी घर की बेसिक साफ-सफाई की जाती है। इसमें मुख्य रूप से झाड़ू और पोछा शामिल हैं। इंडियन घरों में तो खासतौर से झाड़ू लगाने के बाद जब तक पोछा ना मर दिया जाए, तब तक सफाई को कंप्लीट ही नहीं माना जाता। पोछा लगाने से घर की क्लीनिंग तो अच्छे तरीके से होती ही है लेकिन ये आपकी और भी तरीकों से मदद कर सकता है। जी हां, असल में आपकी रसोई में ही कुछ ऐसी चीजें रखी हैं जिन्हें पोछे के पानी में मिला लेने से ना सिर्फ घर की क्लीनिंग में मदद मिलती है, बल्कि घर की नेगेटिव ऊर्जा भी दूर होती है। तो चलिए इन्हीं चीजों के बारे में आज बात करते हैं।

पोछे के पानी में मिलाएं नमक

नमक का इस्तेमाल महज खाने–पीने में ही नहीं बल्कि कई चीजों में किया जाता है। नमक एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट है जिसका इस्तेमाल आप घर की कई चीजों को साफ करने में कर सकती हैं। सिर्फ यही नहीं वास्तु शास्त्र में भी नमक को नेगेटिव ऊर्जा दूर करने वाला बताया गया है। ऐसे में अगर आप पोछे के पानी में एक चम्मच नमक डालकर, सारे घर में उसका पोछा लगती हैं तो इसके बहुत फायदे हो सकते हैं। ये घर की सारी नेगेटिविटी को दूर कर, घर में एक सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद कर सकता है।

कपूर से दूर होगी घर की नेगेटिविटी

पोछे के पानी में आप कपूर की टिकिया भी मिला सकती हैं। कपूर भी एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट है और साथ ही में हर तरह की नेगेटिविटी को दूर करने में भी बेहद कारगर है। इसी कारण पूजा–पाठ के दौरान भी कपूर जलाया जाता है। अगर आप कपूर मिले पानी से सारे घर में पोछा लगती हैं तो उससे घर की नेगेटिव एनर्जी दूर होती है और घर में खुशहाली और सुख–समृद्धि आती है।

नीम का पानी भी है कमाल

नीम के एंटी बैक्टिरियल गुणों के बारे में तो आप जानते ही होंगे। कई बीमारियों की छुट्टी करने वाले नीम को पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है। बस नीम के पत्तों को पानी में उबाल लें। अब इस बचे हुए पानी को पोछे के पानी में मिला लें। सारे घर में इसी पानी का पोछा लगाने से घर की डीप क्लीनिंग तो होगी ही, साथ ही घर में पॉजिटिविटी भी बनी रहेगी।

पोछे के पानी में मिलाएं थोडी हल्दी

हेल्थ से लेकर क्लीनिंग तक, हल्दी के ढेरों फायदे हैं। सिर्फ यही नहीं भारतीय रसोई की शान हल्दी को धार्मिक रूप से भी बहुत शुभ माना जाता है। अगर आप रोजाना पानी में थोड़ी सी हल्दी डालकर सारे घर में उसका पोछा मारती हैं, तो इससे घर की सफाई के साथ–साथ नकारात्मकता भी दूर होती है। हल्दी सफाई के साथ एक भीनी स्मेल भी छोड़ती है, जो काफी फ्रेश फीलिंग देती है।

गुलाब जल या एसेंशियल ऑयल

पोछे के पानी में आप गुलाब जल या एसेंशियल ऑयल्स जैसे लेवेंडर, रोज, टी ट्री ऑयल आदि की कुछ बूंदे भी मिला सकते हैं। ये आपके घर में एक ताजगी भरा माहौल बनाए रखेंगे। वास्तु के हिसाब से भी इन्हें पोछे के पानी में मिलाने से घर में एक पॉजिटिविटी बनी रहती है। इससे आपका स्ट्रेस स्लेवल भी कम होगा और घर में बिना किसी रूम फ्रेशनर के खुशबू–दार माहौल बना रहेगा।

बेहतर प्रशिक्षण लेकर ग्राम स्तर पर लोगों को दें अभियान की जानकारी- कलेक्टर

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार की पहल आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण क़ा शुभारम्भ बुधवार को बलौदाबाजार स्थित जिला पंचायत संसाधन केंद्र में हुआ। जिला स्तरीय मास्टर ट्रैनर निर्धारित तिथि अनुसार लगभग 184 विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रैनर को प्रशिक्षण देंगे।

कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान की शुरआत सरकार ने बड़े लक्ष्य के साथ की है और इस लक्ष्य को हासिल करने सभी को गंभीरता से काम करना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण को गंभीरतापूर्वकआत्मसात करें ताकि ग्राम स्तर तक लोगों को बेहतर जानकारी मिल सकें। विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण के बाद ग्राम स्तर तक भी प्रशिक्षण होग़ा।

उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक योजना नहीं है बल्कि सामुदायिक सहभागिता है जिसमें सामुदायिक सहभागिता से शासकीय योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस अभियान के तीन मूल घटक है जिसमें सेवा, समर्पण और संकल्प शामिल है। इस अभियान को मिशन मोड़ में काम करते हुए जनांदोलन का स्वरुप देना है। शुरुआत में जनजातीय बाहुल्य 46 गांव में योजनाओं का संतृप्तिकरण करना है एवं आगामी दिनों में सभी 519 पंचायतों एवं नगरीय निकाय तक ले जाना है।

जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार पहल कर रहे हैं। इस अभियान से जनजातीय परिवारों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचेगी और अपने अधिकार के लिए जागरूक होंगे।जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से अभियान के जिला नोडल अधिकारी विजयलक्ष्मी तारा ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ जनजातीय परिवारों तक पहुंचाना है। हम सभी को पारदर्शिता व निष्ठापूर्वक कार्य करना होग़ा ताकि योजनाओं का लाभ आदिवासी परिवारों तक पहुंच सके।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजदास मानिकपुरी सहित सरपंच एवं मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

रियलमी 15टी अपने स्लीक प्रीमियम डिज़ाईन और ड्युअल 50मेगापिक्सल कैमरा के साथ केवल 18,999 रुपये में भारत में मिलना शुरू हुआ

नई दिल्ली: भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने अपना नया स्मार्टफोन रियलमी 15टी लॉन्च किया है। यह 50 मेगापिक्सल के फ्रंट और 50 मेगापिक्सल के रियर एआई कैमरा सेटअप वाला अपने सेगमेंट का एकमात्र स्मार्टफोन है। इसके अलावा, रियलमी 15टी में 7.99मिमी की स्लीक बॉडी में 7000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी दी गई है, जो फ्लैगशिप ग्रेड की एमोलेड क्लैरिटी और एडवांस्ड ड्यूरेबिलिटी प्रदान करती है। 4000निट 4आर कम्फर्ट+ एमोलेड, मीडियाटेक डायमेंसिटी 6400 मैक्स 5जी प्रोसेसर, उद्योग में अग्रणी आईपी66/68/69 वॉटर रज़िस्टैंस और प्रो-ग्रेड के ड्युअल एआई कैमरा के साथ रियलमी 15टी ने अपने सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर दिए हैं।

प्रीमियम और मिनिमलिस्ट डिज़ाईन- रियलमी 15टी में नैनो-स्केल माईक्रोक्रिस्टेलाईन फिनिश के साथ टैक्सचर्ड मैट 4आर डिज़ाईन दिया गया है, जो प्रीमियम फील और फिंगरप्रिंट रज़िस्टैंस प्रदान करता है। इसकी थिकनेस केवल 7.99 मिमी है। 181 ग्राम का यह स्मार्टफोन भारत में जबरदस्त बैटरी के साथ मिलने वाले सबसे स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफोंस में से एक है। ब्लेड-शेप का स्टीरियो सेंटर फ्रेम इसके स्लीक सिल्हुएट को और अधिक आकर्षक बना देता है। इसके फ्लोईंग सिल्वर वैरिएंट में कैमरा का उभारत केवल 1.44 मिमी है, जो अपने सेगमेंट में सबसे कम है। रियलमी 15टी प्रीमियम मिनिमलिज़्म के साथ सूट टाईटेनियम, सिल्क ब्लू और फ्लोईंग सिल्वर में उपलब्ध है। रियलमी 15टी में 7000एमएएच की टाईटन बैटरी दी गई है। यह स्मार्टफोन शक्तिशाली बैटरी डिज़ाईन के साथ उद्योग का सबसे स्लिम स्मार्टफोन है। इसकी बैटरी पूरे दिन चलने के बाद भी आधी बची रहती है।

दुर्ग में शुरू हुई स्वच्छतम गणेशोत्सव पंडाल प्रतियोगिता

दुर्ग। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत शहर में इस वर्ष स्वच्छ गणेशोत्सव अभियान 2025 का आयोजन किया जा रहा है। 27 अगस्त से 09 सितम्बर 2025 तक चलने वाले इस राज्यव्यापी अभियान के तहत दुर्ग नगर पालिक निगम ने भी कई अभिनव गतिविधियाँ शुरू की हैं। राज्य शासन के आदेश के बाद महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वच्छतम गणेशोत्सव पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पंडालों को उनकी स्वच्छता व्यवस्था और अपशिष्ट प्रबंधन के आधार पर आंका जाएगा। विजेता पंडाल समितियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ, ग्रीन और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त गणेशोत्सव सुनिश्चित करना है। हर साल गणेशोत्सव के दौरान शहरों में बड़ी संख्या में अस्थायी पंडाल और भीड़-भाड़ वाले आयोजन होते हैं, जिससे कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। इस बार राज्य सरकार और नगरीय निकायों ने मिलकर इस चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया है।

स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन.. गणेशोत्सव समितियों को पंडाल और आसपास की स्वच्छता सुनिश्चित करनी होगी। हर पंडाल में गीला और सूखा कचरा अलग करने के लिए दो डस्टबिन रखना अनिवार्य होगा। फूलों के अपशिष्ट के लिए अलग पात्र (स्न्द्यश्2द्दह्ल ड्ड्वद्धह्लद्द क्चद्गठ्ठ) रखना होगा, जिससे इनका उपयोग खाद बनाने या पुन: प्रयोग में किया जा सके।

निधन : विक्रम साहू

दुर्ग। वार्ड 33 की भाजपा पार्षद व नगर निगम की महिला बाल विकास प्रभारी श्रीमती शशि द्वारिका साहू के छोटे सुपुत्र विक्रम उर्फ सनी साहू 25 वर्ष का बुधवार को शंकराचार्य हॉस्पिटल में उपचार्थ दौरान आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार 4 सितंबर को उनके शिव पारा स्थित निवास से दोपहर 12 बजे निकलकर शिवनाथ नदी महमरा घाट मुक्तिधाम में सम्पन्न होगा।

निधन : मोगरा बिजौरा

पाटन । नगर पंचायत पाटन के अटारी वार्ड में रहने वाले श्रीमती मोगरा बिजौरा 80 वर्ष का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार अटारी स्थित श्मशान घाट में आज बुधवार 3 सितंबर को किया गया वे नंदकुमार (नंदू) बिजौरा , सुनील बिजौरा की माता थी।

किरन्दुल में नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

दंतेवाड़ा किरन्दुल, (समय दर्शन)। थाना किरन्दुल पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित यादव (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना 01 सितंबर 2025 की रात करीब 9:30 बजे की है, जब पीड़िता अपने परिवार के साथ घर में सो रही थी। आरोपी रोहित यादव, जो पीड़िता के मोहल्ले का ही निवासी है, घर में घुसकर पीड़िता के कपड़े उतारने की कोशिश करने लगा। पीड़िता के चिल्लाने पर वह भागने लगा, लेकिन परिजनों ने उसकी पहचान कर ली।

पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर थाना किरन्दुल में अपराध क्रमांक 50/2025 के तहत धारा 75(2) बीएनएस और 08 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर और आर.के. बर्मन के मार्गदर्शन में, एसडीओपी किरन्दुल कपिल चंद्रा के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी किरन्दुल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 02 सितंबर 2025 को आरोपी रोहित यादव, पिता राम संजीवन यादव, को गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया गया।

विशेष योगदान: इस ऑपरेशन में थाना किरन्दुल के सउनि. के. सीमाचलम, अनिता चौधरी, आरक्षक मकसूदन मंडावी और महिला आरक्षक सुरेखा की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में महिला सुरक्षा के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

नपा अध्यक्ष ने किया रामलीला मैदान का निरीक्षण

भाटापारा (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने बुधवार को नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत रामलीला मैदान का निरीक्षण किया। इस दौरान आगामी रामलीला आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया गया, जिसमें मंच, प्रकाश, ध्वनि, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन जैसी सभी महत्वपूर्ण तैयारियों का जायजा लिया गया। अध्यक्ष शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों से चर्चा करते हुए सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की समस्या या कमी का त्वरित और प्रभावशाली समाधान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि रामलीला हमारे गौरवशाली धर्म, संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। इसे भव्य एवं सुरक्षित रूप से आयोजित करना हमारा कर्तव्य है, ताकि हर श्रद्धालु और नगरवासी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ इस दिव्य आयोजन का आनंद ले सके।

साथ मे नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया सभापति मनीष मिश्रा पार्षद सतीश साहू भुवन सिंह ठाकुर ठाकुर राम साहू ,गोपी ध्रुव आयोजन समिति से संदीप मोनू मल देवनारायण शर्मा बजरंग लाल चौरसिया जी,मुख्य नगर पालिका अधिकारी जफर खान इंजीनियर कमलेश साहू पूर्णेन्दु त्रिवेदी एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

गणेश विर्सजन व ईद मिलादुन्नबी को लेकर शान्ति समिति की बैठक

गरियाबंद (समय दर्शन)। गणेश विसर्जन और ईद मिलादुन्नबी पर्व में शांति और यातायात व्यवस्था को लेकर गरियाबंद एसडीएम हितेश्वरी बागे,तहसीलदार चितेश देवांगन,कोतवाली प्रभारी ओपी यादव, नगरपालिका अध्यक्ष रिखी यादव उपाध्यक्ष आसिफ मेमन के द्वारा एस डी एम कार्यालय में शांति समिति की बैठक रखी गई।बैठक में नगर के विभिन्न गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारी मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिक मौजूद थे,जो विसर्जन के दौरान प्रशासन द्वारा किये जाने वाले ब्यवस्था को लेकर मांग किये की गणेश उत्सव का विसर्जर्न 6 व 7 सितंबर दो दिन किया जाएगा,जिसमे प्रशासन द्वारा तालाब के समीप विसर्जन स्थल पर साफ सफाई,आपात कालीन स्थिति के लिए नगर सैनिकों का तैराक दल,बिजली ब्यवस्था और सड़कों में विद्युत तार को दुरूस्त करने की मांग किये।उन मांगो पर नगरपालिका द्वारा साफ सफाई,पुलिस विभाग द्वारा तैराक और बिजली विभाग द्वारा सड़को के विद्युत तार को ब्यवस्थित कराए जाने का आश्वासन दिया गया।बैठक में आए मुस्लिम समाज के लोगो ने बताया कि मुस्लिम धर्म का पर्व हुजुर मोहम्मद सल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिन के उपलक्ष में,आयोजित होने वाले कार्यक्रम को आपसी भाई चारे और सामंजस्य मनाते हुए आए है।वही उन्होंने कहा कि 5 सितंबर को त्योहार के अवसर पर समाज के लोगो के द्वारा जुलूस ईद मिलादुन्नबी के दिन सुबह बाजा के साथ जुलूस मस्जिद से बाजार गौरव पथ किसान राइस मिल आजाद चौक तिरँगा चौक नाका चौक से दोपहर तक मस्जिद वापस आएगी और मस्जिद में परचम कुसाई ध्वज फहराया जाएगा जिसमे एक हजार के लगभग समाज के लोग शामिल होंगे।इसके साथ ही मस्जिद में भोजन कार्यक्रम रखा जाएगा जो शाम रात तक जारी रहेगा।इस बैठक में पुलिस अधीक्षक निखिल राखेजा ने लोगो से अपील करते हुए कहा कि गरियाबंद शांति प्रिय स्थान है,इस वर्ष गणेश विसर्जन और ईद मिलादुन्नबी का पर्व आसपास पड़ रहा है।वही गणेश समितियों और मुस्लिम समाज का त्योहार ईद मिलादुन्नबी को शांति पूर्वक और आपसी भाईचारा से सम्पन्न कराने गरियाबंद की अपील किये।

कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय की तीन शोध छात्राओं को पीएचडी की उपाधि

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हेमचंद यादव विश्व विद्यालय, दुर्ग से सम्बद्ध शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के मनोविज्ञान विभाग को गौरव प्राप्त हुआ है। यहां संचालित विश्व विद्यालय के एकमात्र मनोविज्ञान शोध केन्द्र से तीन शोध छात्राओं ने पीएचडी की उपाधि अर्जित की है।

इस आशय की जानकारी विभागाध्यक्ष एवं सह-शोध निर्देशक डॉ. बसंत कुमार सोनबेर ने दी। उन्होंने बताया कि श्रीमती शम्पा गोस्वामी ने सोशल कॉम्पीटेंस, सोशल सपोर्ट, स्ट्रेस, जेंडर एवं लोकेल एस प्रेडिक्टर ऑफ स्मार्ट फोन एडिक्शन अमंग एडोलसेंट विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया। उनके शोध निर्देशक सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई की सहायक प्राध्यापक डॉ. अंकिता देशमुख रहीं।

श्रीमती सुमिता सिंह ने लोकस ऑफ कंट्रोल, सेल्फ कॉन्सेप्ट एंड जेंडर एस प्रेडिक्टर्स ऑफ डिफेंस मेकनिज्म अमंग द एडोलसेंट विषय पर शोध कार्य किया।

श्रीमती शालिनी वर्मा ने इमोशनल वायलेंस एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीज एस प्रेडिक्टर ऑफ साइकोलॉजिकल वेल बीइंग ऑफ प्राइवेट स्कूल फीमेल टीचर्स विषय पर पीएचडी पूर्ण की।

सुमिता सिंह एवं शालिनी वर्मा, दोनों शोधार्थियों का निर्देशन डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा, प्राचार्य, संस्कार कॉलेज ऑफ एजुकेशन, राजनांदगांव द्वारा किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं डीआरसी चेयरमेन डॉ. आलोक मिश्रा ने तीनों शोध छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है कि यहां शोध का माहौल सशक्त हुआ है और इससे स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में भी शोध के प्रति रुचि बढ़ी है। डॉ. मिश्रा ने जानकारी दी कि वर्तमान में महाविद्यालय में 09 शोध छात्र पंजीकत हैं, जो मनोविज्ञान विषय में सक्रिय रूप से शोध कार्य कर रहे हैं। यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय, बल्कि जिले के लिए भी एक प्रेरणादायी संकेत है।

रक्तदान का कार्य महान कार्य - एसपी पाण्डेय

नैला सरायखाना में हुआ रक्तदान शिविर

जांजगीर चांपा / समय दर्शन /नैला सरायखाना में मुस्लिम जमात नैला की तरफ से पैगंबर मोहम्मद साहब पैदाइश के मौके पर सभी के लिए नि:शुल्क हेल्थ चेकअप और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें डाक्टर संगम लाल,डाक्टर लोकेंद्र कश्यप (एम डी) हृदय रोग विशेषज्ञ, डाक्टर अतीक सिद्दीकी (एम डी) ,डाक्टर गुलाफ्शा सिद्दीकी एम बी बी एस महिला रोग विशेषज्ञ,डाक्टर वसुंधरा कश्यप दंत रोग चिकित्सक ने अपनी सेवाएं दी। इसमें शारीरिक चेकअप,आंख का चेकअप के साथ साथ दवा भी सब नि:शुल्क दी गई। सभी मेडिकल स्टाफ जिसने एम एल साहू, कमल,पवन साहू,सुनील खूंटे, साहब लाल दिवाकर ,राकेश यादव,ऋषि कश्यप, जगदेव चंद्रा,भूमि कश्यप, दीक्षा,मधुबाला और नेत्र जांच के लिए जानू चश्मा घर के द्वारा मशीन उपलब्ध करवाई गई ,चेकअप के लिए सुयोग राठौर,अमित राठौर, सूर्या राठौर आदि उपस्थित थे । समाज के सदर

हाजी अब्दुल सलाम अहमद,जनाब रफीक खान,राजू सिद्दकी,अरमान खान(पार्षद)सईद खान, कय्यूम खान,फरीद खान, जलाल खान,राजा खान, इब्बू खान, राज आदि ने भरपूर सहयोग दिया। एस पी विजय कुमार पाण्डेय जांजगीर के द्वारा रक्तदान किए हुए लोगों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया साथ ही सेवा देने वाले चिकित्सकों का भी सम्मान किया गया। उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान का कार्य एक महान कार्य है , ये रक्त किसी जरूरतमंद को लगेगा जो किसी भी धर्म का हो रक्तदान करने वाला किसी विशेष धर्म या जाति के लिए नहीं करता है ।माइक संचालन करते हुए जनाब रफीक सिद्दीकी ने कहा कि हमने मुस्लिम समाज में एक अभियान चलाया है ,, कलम का लंगर,, समाज के सभी लोग एक रोटी कम खाएं लेकिन अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा जरूर दें । कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उदयन बिहार , नैला चौकी प्रभारी श्री जाटवर जी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में 23 नवयुवकों ने रक्तदान किया और 157 लोगों ने अपना स्वास्थ्य का चेकअप करवाया और दवा भी प्राप्त किया। इस अवसर पर पारस शर्मा वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक,जनाब बेलाल खान,ताहिर बाबा खान आदि भी उपस्थित थे।

खबर-खास

पुलिस एवं खाद्य विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से थाना राजिम क्षेत्रांतर्गत संचालित तम्बाकू युक्त जर्दा गुटखा के विक्रेताओं के दुकान में किया गया सरप्राइस चेकिंग

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा 3 सितंबर को राजिम क्षेत्रांतर्गत तम्बाकू युक्त जर्दा गुटखा वाला विक्रेताओं के दुकान में चेकिंग हेतु निर्देश दिया गया था।जिसके परिपालन में थाना प्रभारी राजिम निरीक्षक अमृत साहू एवं सिनियर खाद्य सुरक्षा अधिकारी पुष्पा चौहान के साथ संयुक्त रूप से थाना राजिम अंतर्गत संचालित तम्बाकू युक्त जर्दा गुटखा वाला विक्रेताओं के दुकानों में सरप्राइस चेकिंग किया गया। चेकिंग के दौरान विभिन्न प्रकार के गुटखा पान मसाला प्राप्त हुआ। जो उचित मानक मात्रा से कम पाए जाने पर तम्बाकू युक्त जर्दा गुटखा वाला संचालकों को आवश्यक समझाइश दी गई।

उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम के लिए कार्यशाला का आयोजन

दंतेवाड़ा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र दंतेवाड़ा द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ाना और तेज करना (आरएएमपी) योजना के अंतर्गत जिले के एमएसएमई इकाइयों और बैंकर्स के बीच समन्वय और आने वाले चुनौतियों के समाधान हेतु उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 04 सितंबर 2025, समय प्रातः 11 बजे से जिला पंचायत दंतेवाड़ा के सभाकक्ष में किया जायेगा। जिसमें जिले के एमएसएमई इकाईयों को ऋण तक पहुंच को सुगम बनाना, नये स्टार्टअप इकाईयों को बढ़ावा देना, नये औद्योगिक नीति 2024-30 के अंतर्गत प्रावधान, रियायत, अनुदान, छूट की जानकारी, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, मुद्रा योजना एवं अन्य योजनाओं के संबंध में अवगत कराया जायेगा।

रणवीरपुर में नवीन उप तहसील का नवोदित वंशाचार्य उदित मुनि नाम साहब और विधायक भावना बोहरा ने किया शुभारम्भ

विधायक ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का किया आभार

कवर्धा (समय दर्शन)। समृद्ध पंडरिया के निर्माण और क्षेत्रवासियों की जीवनशैली को सरल व सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से रणवीरपुर में मंगलवार को उप तहसील कार्यालय का शुभारंभ समरसता भवन में दामाखेड़ा कबीर आश्रम के नवोदित वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहेब एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, भाजपा पदाधिकारी, अधिकारी, कार्यकर्तागण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

विधायक भावना ने कहा कि रणवीरपुर में उप तहसील कार्यालय लिंक कोर्ट की मांग ग्रामीण लंबे समय से कर रहे थे। हमने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष यह मांग रखी, जिसे पूरा करते हुए मुख्यमंत्री ने जुलाई में आयोजित निःशुल्क बस सेवा शुभारंभ अवसर पर वर्चुअल घोषणा कर रणवीरपुर की जनता को यह सौगात दी थी। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली डबल इंजन भाजपा सरकार का उद्देश्य जनकल्याण और अधोसंरचना विकास है। हमारी भाजपा सरकार ग्रामीण अंचलों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई और राजस्व सेवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।

उन्होंने कहा कि अब रणवीरपुर में उप तहसील कार्यालय के शुभारंभ से किसानों व ग्रामीणों को खसरा/खतौनी की नकल, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, ऋण पुस्तिका सहित विभिन्न राजस्व कार्यों के लिए अब बारदूबार तहसील मुख्यालय जाना नहीं पड़ेगा। जमीन विवाद जैसे राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निपटान होगा। उप तहसील कार्यालय के शुभारंभ से किसानों व ग्रामीणों के समय व संसाधन दोनों की बचत भी होगी। भाजपा सरकार की नीति केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीणों की जनभावनाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का एक ठोस प्रयास है। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना और ग्रामीण अंचलों को भी शहरी क्षेत्रों की तरह सशक्त, शिक्षित और समृद्ध बनाना ही हमारी प्राथमिकता है। इस उद्देश्य के लिए मैं निरंतर कार्य कर रही हूं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासष् से आज पंडरिया विधानसभा क्षेत्र विकास की स्वर्णिम गाथा लिख रही है। आप सभी का विश्वास और अपनत्व मुझे सदैव प्राप्त हो रहा है जो मुझे जनसेवा के लिए नित नई ऊर्जा प्रदान कर रही है। आप सभी के उत्साह और उमंग को देखकर मैं कह सकती हूं हम सब मिलकर विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ के साथ समृद्ध पंडरिया का निर्माण करेंगे।

वन विभाग ने अतिक्रमणकारी को गिरफ्तार किया

कवर्धा (समय दर्शन)। वन विभाग कवर्धा ने अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल के निर्देशन, उपवनमंडलाधिकारी पंडरिया सुयश धर दीवान के मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी पंडरिया-पश्चिम श्रीमती पल्लवी गंगबेर के नेतृत्व में की गई।

जांच में पाया गया कि परिसर पंडरीपानी के कक्ष क्रमांक पी.एफ-489 (वनपरिक्षेत्र पंडरिया-पश्चिम) में जग्गू राम पिता मिल्कु, जाति बैगा, निवासी ग्राम बाकी, तहसील बोड़ला, जिला कबीरधाम द्वारा अवैध अतिक्रमण किया गया था। आरोपी के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 तथा लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20758/12 दिनांक 14.08.2025 तैयार किया गया। विधिवत गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

इस कार्रवाई में वन अमले के अधिकारियों और कर्मचारियों तरुण वर्मा (प्रशिक्षु वन क्षेत्रपाल), विलास कुम्भकार (उपवनक्षेत्रपाल), सुनील सोनी (उपवनक्षेत्रपाल), विष्णु सिंह धुर्वे, सीमा टांडिया, अजीत कुमार पाल, तारकेश यादव, राम सिंह दीक्षित एवं वाहन चालक रामू निषाद का विशेष योगदान रहा। वन विभाग का स्पष्ट संदेश है कि अवैध अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

OFFICE OF THE COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT No: 874/RAIPUR DATED: 03.09.2025

Online bids are invited for the following works up to 26.09.2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of works	Probable amount of contract
01	174830	शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड 63 अंतर्गत साहू पारा टिकरापारा में आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य।	11.69 (Lacs)

The details can be viewed and downloaded online directly from the government of Chhattisgarh e- Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 03.09.2025, 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

NOTE:
1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic. Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISIONER
ZONE- 06
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

गरियाबंद में 'एक्सेस टू जस्टिसङ्क्न्याय तक पहुँच' परियोजना के तहत जागरूकता अभियान

गरियाबंद। जिले में 1 जून 2025 से प्रारंभ की गई एक्सेस टू जस्टिसङ्क्न्याय तक पहुँच परियोजना के अंतर्गत आज दिनांक 3 सितम्बर 2025 को तंवरबाहरा गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। समर्पित संस्था के संचालक डॉ. संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में मिडिल स्कूल परिसर तथा डोरङ्क्टूङ्क्डोर संपर्क अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बाल तस्करी जैसी गंभीर समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान बच्चों और शिक्षकगण को शपथ दिलाई गई कि वे अपने गांव में कहीं भी बाल विवाह या इस तरह की कुप्रथाओं की सूचना तुरंत देंगे और हस्तक्षेप में सहयोग करेंगे। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1800-102-7222 की जानकारी भी दी गई ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल मदद ली जा सके।इस अवसर पर जिला समन्वयक रमा जावलकर, सामाजिक कार्यकर्ता नंदनी साहू एवं राहुल कुमार उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोग का संकल्प लिया।

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन तहसील पाटन जिला- दुर्ग (छ.ग.) //

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. आरडी. 202425430304000211

पक्षकार-हर्मित हिंस, लखबीर सिंह दोनो पिता सुरेन्द्र सिंह

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम पतोरा प.ह.न. 24 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक हर्मित सिंह, लखबीर सिंह दोनो पिता-सुरेन्द्र सिंह निवासी पतोरा द्वारा ग्राम पतोरा प.ह.न.24 तहसील पाटन, जिला दुर्ग स्थित हर्मित सिंह, लखबीर सिंह रंजीत पिता स्व. सुरेन्द्र सिंह के नाम दर्ज भूमि खसरा नंबर 1092/4 रकबा 0.0500 हे. को आपसी सहमति से खाता विभाजन आवेदक हर्मित सिंह ,लखबीर सिंह एवं रंजीत कौर के नाम किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 25/09/2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी भी प्रकार का कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला
क्रमांक: 202506104500091

विषय:- अ-6

मामले की श्रेणी:- राजस्व

सन:- 2024-2025
गाड़ाडीह प.ह.न. 00027 [(हे.) ।
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार चंदशेखर वर्मा,
अनावेदक पक्षकार -

/ / ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम गाड़ाडीह प.ह.न. 20 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सुचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रशेखर वर्मा पिता स्व. ईश्वरी प्रसाद वर्मा निवासी ग्राम गाड़ाडीह द्वारा गाड़ाडीह पहन, 27 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित खसरा नं. 313 रकबा 0.88 हे. के भूस्वामी कचरा बाई पति ईश्वरी प्रसाद का दिनांक 07.05.2018 को फौत होने से मृतक के वैध वारिसानों एवं उत्तराधिकारियों के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 09.09.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/08/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 25.08.2025

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर दिनांक 15.09.2025 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्र	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
173/174319	उपसंभाग डोंगरगढ के अंतर्गत विभिन्न 10 मार्गो में डब्ल्यू.एम. एम एवं बी.टी पेंच रिपेयर कार्य	194.45
174/174320	उपसंभाग क्रं. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न 19 मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	175.44
175/174321	उपसंभाग डोंगरगढ के अंतर्गत विभिन्न 18 मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	193.13
176/174322	उपसंभाग क्रं. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न 13 मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	159.26
177/174325	उपसंभाग क्रं. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न 07 मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	185.69
178/174326	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न 16 मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	135.43
179/174328	लोक निर्माण विभाग, मोहला-मानपुर-अं. चौकी संभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	46.00
180/174329	उपसंभाग छुईखदान के अंतर्गत राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्ग में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	60.00
181/174330	उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्ग में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	125.98
182/174408	उपसंभाग बोड़ला के अंतर्गत चिल्फी, भोरमदेव सेक्शन कुल 16 मार्गों एवं बोड़ला दलदली पोंडी सेक्शन कुल 9 मार्गो में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	141.00
183/174409	उपसंभाग पंडरिया के अंतर्गत पंडरिया सेक्शन 12 मार्गों एवं कुण्ड़ा सेक्शन 2 मार्गो में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	72.94

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी- 252603195/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष 0788-2210876

जिला स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में विकासखंड दंतेवाड़ा विजेता

दंतेवाड़ा। राज्य शासन, राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयंत नाहटा एवं जिला शिक्षा अधिकारी एस के अमबस्ट तथा जिला साक्षरता मिशन प्रभारी श्रीमती रतन बाला मोहंती के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी आत्मानंद कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल दंतेवाड़ा में आयोजित की गई जिसमें चारों विकासखंड के 8 टीमों ने पक्ष और विपक्ष में भाग लिया जिसमें 40 प्रतिभागी शामिल हुए इस वाद विवाद प्रतियोगिता के विषय पर दोनों ही पक्ष और विपक्ष के माध्यम से बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला
क्रमांक: 202508104500029

विषय:- अ-6 अ

मामले की श्रेणी:- राजस्व

सन:- 2024-2025
परसाही प.ह.न. 00026 [850(0.4000 हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार रेमन बाई.
अनावेदक पक्षकार

/ / ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम परसाही प.ह.नं. 26 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक आवेदिका रेमन बाई पिता सुकलाला त अन्य ग्राम परसाही द्वारा ग्राम परसाही प.ह.नं. 26 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित खाताधारक आवेदिका वगैरह के नाम दर्ज भूमि में से खसरा नंबर 48/450 रकबा 0.40 हे. के स्थान पर 48/850 रकबा 0.40 होना था, जिसका मूल खसरा नंबर 850 रकबा 0.40 हे. होने से खसरा नंबर 48/450 को विलोपित कर 850 रकबा 0.40 हे. आवेदक के खाता में दर्ज कर राजस्व अभिलेख दुरुस्त किये जाने हेतु प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यकाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आप हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 09.09.2025 तक सायं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा-आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/08/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला
क्रमांक: 202506304500093

विषय:- अ-6

मामले की श्रेणी:- राजस्व

सन:- 2024-2025
कानाकोट (प ह न. 00028),
आमालोरी (प ह न. 00028), पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार चंदशेखर वर्मा,
अनावेदक पक्षकार -

/ / ईश्तहार //

एतव द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम आमालोरी प.ह.न.28 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रशेखर वर्मा पिता स्व. ईश्वरी प्रसाद वर्मा निवासी ग्राम गाड़ाडीह द्वारा ग्राम कानाकोट तहसील पाट जिला दुर्ग खसरा नं. 154/7, 154/8 रकबा 0.68, 1.10 हे. भूमि तथा ग्राम आमालोरी में खसरा नं. 06 रकबा 0.87 हे. खसरा नंबर 492 रकबा 0.29 हे. के भू स्वामी ईश्वरी प्रसाद आ. मुकुन्दी राम का फौत नामांतरण मृतक के वैध वारिसानो एवं उत्तराधिकारीयों के नाम नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है

अत: उपरोकतानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आपति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 09.09.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा: आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/08/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग

न्यायालय अतिरिका तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला
क्रमांक: 201506104500092

विषय:- अ-6

मामले की श्रेणी:- राजस्व

सन:- 2024-2025
बोदल (प ह न. 00027), गाड़ाडीह (प ह.न. 00027), पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार चंदशेखर वर्मा, अनावेदक पक्षकार -

/ / ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम गाड़ाडीह प.ह.न.28 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रशेखर वर्मा पिता स्व. ईश्वरी प्रसाद वर्मा निवासी ग्राम गाड़ाडीह द्वारा गाड़ाडीह पहनं 27 तहसील पाटन जिला दुर्ग खसरा नं. 311, 327, 343 रकबा 0.26, 1.58, 0.12 हे. कुल खसरा 03 कुल रकबा 1.96 हे. भूमि तथा ग्राम बोदल में खसरा नं. 334, 342, 356, 380 रकबा क्रमशः 1.28, 0.35, 0.47, 0.43 हे. कुल खसरा नं. 4 कुल रकबा 2.53 हे. के भू स्वामी ईश्वरी प्रसाद आ. मुकुन्दी राम का फौत होने से मृतक के वैध वारिसानों एवं उत्तराधिकारियों के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आपति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 09.09.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/08/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

चाकू की नोक पर पैसे की उगाही, नहीं देने पर की मारपीट

महासमुंद (समय दर्शन)। तुमगांव के यात्री प्रतिक्षालय के पास चार लोगों ने बस मालिक से चाकू दिखाकर पैसे मांगे। बस मालिक ने पैसे देने से मना किया तो आरोपियों ने मारपीट की और बस जला देने की धमकी भी दी। यतेन्द्र साहू पिता स्व. गेंदलाल साहू निवासी ग्राम भोरिंग ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि उसका स्वयं का बस है, जो पीढ़ी से रायपुर चलती है। 02 सितम्बर 2025 को येतेन्द्र अपने नीजी कार्य महासमुन्द गया था।

लौटते वक्त तुमगांव चौंक में बस से उतरा और बाईपास तरफ जा रहा था। तभी ग्राम गढ़सिवनी रिंकू ध्रुव पिता गणेश राम ध्रुव कुछ लोगों के साथ आया। सभी लोग नशे में थे। वह येतेन्द्र अश्लील गाली गलौच कर धारदार चाकू दिखाकर डरा धमकाकर पैसा मांगने लगा। येतेन्द्र ने पैसे नहीं दिए तो रिंकू ध्रुव और उसके तीन साथी मिलकर मरपीट किये। साथ ही तुम्हारी बस जब हमारे गांव गढ़सिवनी तरफआएगा तो उसे तोड़फोड़ कर जला देंगे कहकर धमकी दी।

पुलिस ने मामले की शिकायत के बाद आरोपी रिंकू ध्रुव और उसके तीन साथी के खिलाफधारा 115(2)-BNS, 296-BNS, 3(5)-BNS, 351(3)-BNS के तहत अपराध कायम किया है।

संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय मर्रा में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

कार्यक्रम में शपथ लेते हुए

पाटन / महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में 02 सितंबर को संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा,पाटन में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। जंहा महाविद्यालय परिवार ने खेल भावना और देशभक्ति के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह का शुभारंभ शपथ ग्रहण से हुआ, जिसके पश्चात शतरंज, टेबल टेनिस और कैरम जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों तथा कर्मचारियों में खेलों के प्रति जागरूकता, शारीरिक स्वास्थ्य एवं टीम भावना को बढ़ावा देना रहा।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा के मार्गदर्शन तथा एन.एस.एस.इकाई प्रभारी डॉ मोहनिशा सिंह और खेल प्रभारी डॉ.किरण नागराज व डॉ.विनीता झोड़ापे के संचालन में आयोजित हुआ !इस आयोजन में छात्रों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

अधिष्ठाता डॉ.अजय वर्मा ने कहा की इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं,बल्कि जीवन में अनुशासन, एकता और उत्तम स्वास्थ्य का आधार हैं।

इस अवसर पर संस्था के अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र- छात्राऐं बड़ी संख्या में उपस्थित रहें!

रास गरबा (डांडिया) उत्सव समिति का गठन

- जितेंद्र सिन्हा अध्यक्ष एवं विक्की सलूजा संयोजक बनाये गए

पिथौरा (समय दर्शन)। आगामी शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर इस वर्ष पिथौरा नगर में भव्य रास गरबा (डांडिया) महोत्सव आयोजित किया जाना है। यह महोत्सव नगर के सबसे बड़े मैदान शहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित होगा। आयोजन के लिए समिति का गठन किया गया है, जिसमें सर्वसम्मति से जितेंद्र सिन्हा को समिति का अध्यक्ष एवं विक्की सलूजा को संयोजक चुना गया

इस समिति के संरक्षक के रूप में रूपकुमारी चौधरी सांसद महासमुंद,डॉ सम्पत अग्रवाल विधायक बसना,द्वारिकाधीश यादव विधायक खल्लारी,शंकर अग्रवाल पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा छत्तीसगढ़,देव सिंह देवेश निषाद अध्यक्ष नगर पंचायत पिथौरा,वीरेंद्र तिवारी उपाध्यक्ष नगर पंचायत पिथौरा,सोहन निषाद अध्यक्ष ग्राम सभा शीतला समाज,ठाकुर अनंत सिंह वर्मा पूर्व अध्यक्ष ग्राम सभा शीतला समाज,प्रेम लाल सिन्हा पूर्व अध्यक्ष ग्राम सभा शीतला समाज,आशीष शर्मा मंडल अध्यक्ष भाजपा,आकाश अग्रवाल समाजसेवी अध्यक्ष जितेन्द्र सिन्हा,कार्यक्रम प्रभारी गोपाल शर्मा,संयोजक विक्की सलूजा,सह संयोजक उमेश ठक्कर , उपाध्यक्ष बबलू सोनी,अनिमेष डे,अंजय सिन्हा,कोषाध्यक्ष जतीन ठक्कर,सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र डडसेना,सचिव भूपेंद्र भोज साहू, सह सचिव अंकित शर्मा,अंशुल तिवारी, मैदान एवं मुख्य मंच व्यवस्था प्रभारी गोविंद शर्मा,दुर्गेश सिन्हा,रवि आरके,मोनू सलूजा,नवीन साहू,स्वतंत्र पांडेय,तुषार बंसल।

सोशल मीडिया अनमोल चावला,दुर्गेश पैंकरा होंगे। रास गरबा उत्सव समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिन्हा एवं कार्यक्रम संयोजक विक्की सलूजा ने बताया कि यह महोत्सव पिथौरा के इतिहास का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा। पूरे नगरवासियों की सहभागिता से यह महोत्सव ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पारंपरिक रास गरबा और डांडिया का विशेष आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन नि:शुल्क होगा, तथा इनाम की राशि प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय बेहद सम्मान जनक रखे जाएगा ।कार्यक्रम की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं और नगर में उत्साह का माहौल है।

सेवा पखवाड़ा कार्यशाला में भाजपा की रणनीति पर मंथन

- विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने साझा किया प्राथमिक एजेंडा
- सेवा पखवाड़ा कार्यशाला मे स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, स्वच्छता और वृक्षारोपण होंगे अभियान के प्रमुख स्तंभ-विधायक डॉ संपत अग्रवाल

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ भाजपा द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की एक दिवसीय कार्यशाला बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई। इस कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय सहित कई वरिष्ठ नेता, मंत्रीगण और विधायकगण उपस्थित रहे।

कार्यशाला के पश्चात मीडिया से चर्चा करते हुए बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने बताया कि सेवा पखवाड़ा का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेवा ही संगठन की आत्मा है। इस कार्यशाला में पार्टी की आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ, जिसमें जनसेवा को और अधिक प्रभावी, समावेशी और जमीनी स्तर पर क्रियाशील बनाने का संकल्प लिया गया।

विधायक डॉ अग्रवाल ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुँच सुनिश्चित करने जैसे कार्यों में सक्रिय रूप से लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भाजपा की जनसेवा की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विधायक डॉ अग्रवाल ने यह भी बताया कि कार्यशाला में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने और आगामी चुनावों के मद्देनज़र जनसंपर्क अभियानों को गति देने पर भी चर्चा हुई। प्रदेश नेतृत्व ने सभी जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा पखवाड़ा के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि सेवा पखवाड़ा हमारा संकल्प का पखवाड़ा है। हमें समाज के बीच जाकर सेवा कार्यों का विस्तार करना होगा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमें अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम प्रदेश स्तर से शुरू होकर जिले और मंडल स्तर तक कार्यशालाओं के माध्यम से विस्तारित किया जाएगा, जिसमें स्वच्छता अभियान और रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल होंगे।

राज्य स्तरीय सिप अबेकस प्रोडिजी 2025 में यांशी नाग ने प्रथम स्थान प्राप्त की

बसना (समय दर्शन)। बसना की कु यांशी नाग कक्षा तीसरी केन्द्रीय विद्यालय सरायपाली एवम सिप अबेकस सरायपाली की ओर से फाउंडेशन लेवल -2 में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त की है।

राजधानी रायपुर में पहली बार 31 अगस्त 2025 को राज्य स्तरीय सिप अबेकस प्रोडिजी 2025 प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन रोस्बे रिसार्ट में किया गया।

इस आयोजन में छ. ग. के 1000 प्रतिभाशाली बच्चो ने मानसिक गणित और अबेकस में अपनी असाधारण क्षमता का प्रदर्शन किये।

इस परीक्षा में उनकी गति, मानसिक योग्यताओं, सटीकता, क्षमता और एकाग्रता की परीक्षा हुई। छात्रों की प्रतिभा देख दर्शक, अभिभावक, प्रशिक्षक तालियों से प्रोत्साहित करते रहे। ये आयोजन राज्य में कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में अहम सिध्द हुआ।

ये बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने की लगन को प्रोत्साहित करता है। इस उपलब्धि से यांशी नाग को ट्रॉफी प्रमाण पत्र के द्वारा सम्मानित किया गया और उसके माता - पिता , शिक्षक, एवं सिप अबेकस सरायपाली के केंद्र प्रमुख राखी पाणिग्राही एवं शिक्षिका सुमन यादव एवं समस्त स्टाफद्वारा बधाई दी गई और 16 नवंबर को चेन्नई तमिलनाडु में होने वाले इंटरनेशनल प्रोडिजी के लिए अभी से तैयार रहने के लिए कहा गया ।उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उसके पिताजी जितेंद्र नाग उनके केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक तथा संकुल जमदरहा के शिक्षक डोलामणि पटेल, डिजेन्द्र कुर्रे, गंगाधर प्रसाद द्विवेदी,उत्तर कुमार चौधरी ने हर्ष व्यक्त किये है।

बसना थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

- एसडीओपी ललिता मेहेर एवं थाना प्रभारी नरेन्द्र राठौर ने श्री गणेश विसर्जन एवं ईद मिलादुन्नबी पर्व शांति से मनाने की अपील

बसना (समय दर्शन)। बुधवार 3 सितंबर को बसना थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर एवं आसपास क्षेत्र के समाजसेवी, संस्था संगठन,धर्म प्रमुख, नागरिक तथा पत्रकारों की विशेष उपस्थिति रही।

इस बैठक का संचालन एसडीओपी ललिता मेहर एवं थाना प्रभारी नरेंद्र राठौर के मार्गदर्शन में किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से आगामी 5 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी तथा 6 सितंबर को श्रीगणेश विसर्जन पर्व को शांति, सद्भाव एवं आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु विस्तृत चर्चा की गई।

अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से अपील की कि, सभी धर्मावलंबी आपसी सहयोग और सौहार्द्र बनाए रखते हुए पर्व का आयोजन करें, ताकि नगर में शांति व्यवस्था बनी रहे।

बैठक में यातायात व्यवस्था सुधारने पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पर्व के अवसर पर नगर की सड़कों पर भीड़भाड़ बढ़ जाती है, ऐसे में सभी को यातायात नियमों का पालन करना होगा। दुकानों के सामने टेंट-पंडाल लगाकर किए जाने वाले अतिक्रमण को लेकर भी चर्चा की गई तथा व्यापारी वर्ग से सहयोग की अपेक्षा जताई गई। जिससे आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

बैठक में उपस्थित समाजसेवियों एवं धर्म प्रमुखों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया और लोगों से शांति एवं सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की।

इस दौरान नगर के प्रबुद्धजन रमेश अग्रवाल, अशोक जोशी,सेवकदास दीवान,अशरफ गिगानी,वाहिद दयाला , अनिस दानी,ॠषिकेशन दास ,अभय धृतलहरे, मो.सुलेमान,अभिमन्यु जायसवाल, नरेन्द्र यादव,पवन अग्रवाल, अख्तर डेडा, डॉ गिरधारी डडसेना, सुकदेव वैष्णव, बसंत देवता, विद्या पटेल, दिनेश डडसेना, रमेश सूर्या, अरूण प्रधान, दीपक शर्मा, अमृत चौधरी, देशराज दास,अरूण साहू,बसंत साहू, अल्तमस दानी एवं अनेक समाज प्रमुख तथा पत्रकार गण उपस्थित रहे।

विधायक निषाद ने डुडिया में कलार समाज के सामाजिक भवन का भूमिपूजन किया

बालोद (समय दर्शन)। गुंडरदेही विधानसभा के विधायक कुंवर सिंह निषाद ने बुधवार को अर्जुंदा ब्लॉक के ग्राम डुडिया में कलार (सिन्हा) सामाजिक भवन का भूमिपूजन किया। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक भवन बनने से निश्चित ही यहां के सामाजिक को लाभ होगा। गांव का विकास उनकी प्राथमिकता है इसलिए गांव में मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य स्वीकृत करवाए जा रहे हैं ।इस भवन के निर्माण से समाज के लोग सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को करवा सकेंगे। इस दौरान विधायक ने समाज के बंधुओं का आतिथ्य सत्कार के लिए हार्दिक आभार।

इस अवसर पर श्रीमती मीना उमाशंकर साहू सदस्य जिला पंचायत बालोद, श्रीमती ललिता भू आर्य जनपद सदस्य , रोशन सिन्हा, श्रीमती आमीन राजकुमार साहू सरपंच, बृजेश देवांगन उप सरपंच, सहित सामाजिकजन, ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

मोदी की गारंटी खोजो अभियान के तहत एनएचएम कर्मचारियों का अनोखा विरोध प्रदर्शन

- एक नई क्रांति अंदाज में भीख मांगकर एकत्रित राशि राज्य सरकार के कोष में जमा किया जाएगा ताकि यूगो यूगो तक सरकार को याद दिलाते रहे लंबे समय पर डटे आंदोलन कर्मचारियों ने सरकार कि चुप्पी पर आक्रोशित संविदा कुप्रथा का किया पुतला दहन

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों का आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुँच चुका है। विगत 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने सोमवार को जिला मुख्यालय की सड़कों पर मोदी की गारंटी खोजो अभियान चलाया इस दौरान उन्होंने बाजार क्षेत्र में पहुंचकर आम नागरिकों और व्यापारियों से भीख मांगकर सरकार की कार्यप्रणाली के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। कर्मचारियों ने कहा कि इस भीख से एकत्रित राशि राज्य सरकार के कोष में जमा की जाएगी, ताकि शायद सरकार उनकी समस्याओं का समाधान निकाल सके और उन्हें नियमितीकरण का तोहफ़ दे सके।

जनता से मिला बयापक समर्थन- प्रदर्शन के दौरान जब एनएचएम कर्मचारी भीख का पात्र लेकर सड़क पर उतरे, तो आम जनता और व्यापारी वर्ग ने भी उनके इस रचनात्मक आंदोलन का समर्थन किया। कई लोगों ने खुले मन से उन्हें सहयोग राशि दी और कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े इन कर्मचारियों की मांगें पूरी तरह जायज हैं। लोगों का मानना था कि वर्षो से संविदा व्यवस्था में काम कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों को अब स्थायी सेवा का हक मिलना ही चाहिए।

संविदा कुप्रथा का किया पुतला दहन- सरकार की चुप्पी के खिलाफ कर्मचारियों ने विरोध का एक और अनोखा तरीका अपनाया। प्रदर्शनकारियों ने संविदा कुप्रथा का प्रतीकात्मक पुतला बनाकर उसे दहन किया। पुतला दहन के माध्यम से उन्होंने संदेश दिया कि संविदा व्यवस्था स्वास्थ्य सेवाओं में असुरक्षा और अस्थिरता पैदा कर रही है। एनएचएम संघ के पदाधिकारी पवन निर्मलकर, अमित दुबे, जीतेन्द्र गौचंद, राजकुमार साहू, शैलेन्द्र पाण्डेय, मनीष गुप्ता, डॉ. अखिलेश बंजारे, डॉ. मीनाक्षी बंजारे, डॉ. विजय लक्ष्मी पाण्डेय और डॉ. मोनिका कुर्रे ने कहा कि सरकार ने यदि उनकी मांगों को जल्द ही पूरा नहीं किया तो आंदोलन और भी व्यापक होगा।

10 सूत्रीय मांगों पर अड़े कर्मचारी- एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने बताया कि वे कुल 10 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिसमें प्रमुख मांग नियमितीकरण की है। इसके अलावा समय पर वेतन भुगतान, सेवा शर्तों में सुधार, पदोन्नति का अवसर, भविष्य निधि और बीमा जैसी मूलभूत सुविधाओं को शामिल किया गया है। कर्मचारियों ने कहा कि ये मांगें केवल उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नहीं बल्कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी हैं।

सरकार पर उदासीनता निष्क्रियता का आरोप- एनएचएम संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि अब तक अंनगीनत अधिक बार ज्ञापन और पत्र राज्य सरकार को सौंप चुके हैं। हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन दिया गया लेकिन कोई ठोस पहल नहीं की गई। उनका कहना है कि अब कर्मचारियों का धैर्य जवाब दे चुका है। जब तक मांगों को लिखित में स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक यह हड़ताल अनवरत जारी रहेगी। कर्मचारियों ने सरकार से पूछा कि आखिर कब तक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हजारों परिवार असुरक्षा की स्थिति में जीते रहेंगे?

संघर्ष को मिल रहा है जन समर्थन- कर्मचारियों के इस आंदोलन को अब आम जनता का समर्थन भी मिलने लगा है। शहरवासियों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बने इन कर्मचारियों की उपेक्षा से सीधे-सीधे आम जनता को नुकसान हो रहा है।सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द उनकी जायज मांगों पर सहमति जताकर आंदोलन को समाप्त कराए।एनएचएम कर्मचारियों का यह रचनात्मक आंदोलन अब जन आंदोलन का रूप ले रहा है। कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन और उग्र होने कि संभावना प्रदर्शीत नजर आ रहा है।

आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल हुए कर्मचारी- अनोखे अंदाज़ में हुए इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी शामिल हुए। जिनमें मेघा श्याम, प्रिया कश्यप, ज्योति साहू, दुर्गा चौधरी, सुषमा बिंझवार, रेशमा वर्मा, साक्षी भोई, सीमा ठाकुर, नरबदिया ध्रुव, सारिता कांत, रीना, सुनीता सिंह, सीमा लहरे, सुमेध कुजूर, सुषमा पाण्डेकर, टिकेश्वरी, नेहा, ज्योति, ललिता, स्मिता आदि।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27